भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

10 सितम्बर- 16 सितम्बर 2025

jagrukjanta.net

आश्विन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - तृतीया , संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-28, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

शिशु को ट्रॉली में पहुंचा कर मॉ की गोद पर पिल्ला कर रहा कब्जा!

सटीक

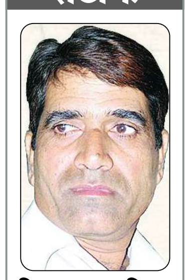

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

मॉ की ममता भी अब समय के साथ अपना स्थान बदलने लगी है। तभी तो आज कई माताएं अपने शिशु को ट्रॉली गाड़ी में घुमाते हुए देखी जा सकती हैं। जबकि कई माताओं की गोद में शिशु की जगह आकर्षक पिल्ला पहुंच गया है। हालांकि आज भी मां की ममता तो वैसे ही जीवित है जैसे पहले थी। कुछ समय पहले तक माता अपने नौनिहाल को दो-चार घंटे भी अपने से दूर छोड़ देती थी तो उसका कलेजा मुंह को आता रहता था। और जैसे ही वह घर पहुंचती, अपने नवजात को दुलारती, उसे स्नेह से पुचकारती। मां को देखते ही शिशु भी हौंसरता (मां की गोद में जाने के लिए उतावला होता) था। सबसे पहले मां अपने शिशु को अपना दूध पिलाने लगती थी बाकी सब काम बाद में। मगर आजकल बहुत सी महिलाओं को देखा जा सकता है कि वह अपने पति के साथ घूमने जाएंगी तो बच्चा या तो साथ चल रही आया की गोद में होगा या फिर ट्रॉली गाड़ी में दिखाई देगा। वहीं दूसरी ओर कई माताएं ऐसी होती हैं जिनकी गोद में एक आकर्षक सा छोटा सा पिल्ला होता है जिसे वह चूमते हुए दुलारते हुए 'मेला बच्चा, ओले, ओले' करते हुए चली जा रही होती है। क्या आज की माताओं में ये ट्रैंड फैशन बन गया है या फिर ममता ने स्थान बदल लिया है। माता की गोद से दूर घर में बच्चे को आया पालती है। आया ही उसे भोजन कराती है वही उसकी साफ-सफाई करती है और वह बच्चा उसी को अपनी मां समझने लगता है। कई नौकरी पेशा महिलाएं जो परिवार से दूर पति के साथ अकेले रहती है, वह भी बच्चों को आया के भरोसे या फिर आजकल बन रहे शिशु केन्द्रों में छोड़कर चली जाती है। नौकरी से आने के बाद बच्चे को घर लाती है। जब शाम को पतिदेव के साथ घूमने जाएंगी तो बच्चा ट्रॉली गाड़ी में होगा। कई माताएं तो शारीरिक फीगर बिगड़ने के डर से शिशु को अपना दूध ही नहीं पिलाती हैं। वह ऊपर का दूध यानि डेयरी के दूध से ही पलकर बड़ा होता है। बड़ा होने पर कहीं कोई बात सामने आ जाए और सामने वाला कहे कि अगर तेरी मां ने दूध पिलाया है तो आ मैदान में। ऐसे में क्या कहा जाए। मॉ-बाप दोनों ही बच्चे को अच्छी परवरिश के नाम पर दूसरों के सहारे छोड़कर पैसा कमाने चले जाते हैं। अंत में स्वयं मां-बाप ही, उस शिशु से बड़े होते युवक को पढ़ाई के नाम पर विदेश भेज देते हैं। विदेश में जाने के बाद बच्चा विदेशी और मां-बाप देशी रहकर अंत समय में अकेले ही रह जाते हैं। ना वो फीगर काम आता है और ना ही वो पिल्ला काम आता है, जिसे बच्चे की जगह गोदी में घुमाया जाता था। इसलिए माताओं को चाहिए कि वे पाश्चात्य संस्कृति की आंधी में हमारे देश की संस्कृति और ममता को यूं ही कुत्तों और आया में नहीं बांटें। वरना ममता मर गई तो परिवार के नाम पर कुछ नहीं बचेगा।

shivdayalmishra@gmail.com

सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस वोटिंग, इंडिया गठबंधन को तगड़ा झटका, एनडीए को मिले उम्मीद से ज्यादा वोट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन ने जीत हासिल की है। सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट मिले वहीं इंडिया ब्लॉक के प्रत्याशी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। जगदीप धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हुए। मतदान सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक हुआ। मतदान के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान समाप्त हो गया है। विपक्ष एकजुट है। उसके सभी 315 सांसद मतदान के लिए उपस्थित हुए हैं। यह अभूतपूर्व 100% मतदान है। उधर, उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया गठबंधन को तगड़ा झटका लगा है। चुनाव में क्रॉस वोटिंग हुई। जानकारी के मुताबिक इंडिया गठबंधन के कम से कम 20 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की

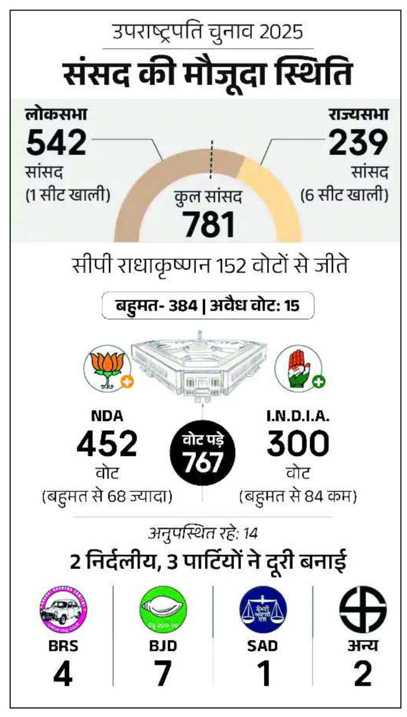

राज्य में रेलवे सुविधाओं का हो रहा निरंतर विस्तार

आमजन को बेहतर कनेक्टीविटी के लिए हम संकल्पित-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य में रेलवे सुविधाओं के विस्तार के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। प्रदेश में मजबूत रेल नेटवर्क से आमजन को आवागमन में सुगमता होगी। साथ ही, स्थानीय रोजगार और उद्योगों को भी फायदा होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में प्रस्तावित रेलवे परियोजनाओं के धरातल पर शीघ्र मूर्तरूप देने के लिए अधिकारी रेलवे के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में रतलाम-डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नई रेल परियोजना और केन्द्रीय भण्डारण निगम द्वारा भरतपुर मे प्रस्तावित नवीन रेल टर्मिनल की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भरतपुर में प्रस्तावित रेल टर्मिनल निर्माण से किसानों, औद्योगिक ईकाइयों सहित सभी वर्गों को परिवहन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि टर्मिनल के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए संयुक्त निरीक्षण करें। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित राज्य सरकार तथा रेलवे के संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में वीसी के माध्यम से संबंधित जिलों के कलक्टर्स भी जुड़े।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करेंः-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

पंजाब बाढ़ राहतः पीएम मोदी ने की 1,600 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मंगलवार को बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे पंजाब और हिमाचल प्रदेश के लिए बड़ी आर्थिक मदद का ऐलान किया। उन्होंने पंजाब को 1,600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की, जो राज्य को पहले से उपलब्ध 12,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त होगी। वहीं हिमाचल प्रदेश के लिए भी उन्होंने 1,500 करोड़ रुपये की मदद की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पंजाब को SDRF (स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड) की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। साथ ही किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त भी तुरंत उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बाढ़ और भूस्खलन से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। पीएम मोदी ने बताया कि बाढ़ और भूस्खलन से अनाथ हुए बच्चों को PM CARES for Children योजना के तहत दीर्घकालिक सहयोग मिलेगा।

नेपाल पीएम ओली का इस्तीफा, एयर इंडिया-इंडिगो की उड़ानें रद्द

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने देश में जारी सरकार विरोधी जबर्दस्त प्रदर्शन के मद्देनजर मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल सहित कई शीर्ष राजनीतिक नेताओं के निजी आवास पर हमला किया तथा संसद भवन में तोड़फोड़ की। छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों में राजनीतिक वर्ग के खिलाफ कई कारणों को लेकर आम लोगों का बढ़ता आक्रोश झलक रहा है, जिसमें सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और कथित भ्रष्टाचार जैसे कई मुद्दे शामिल हैं।

ओली ने प्रधानमंत्री पद से दिया इस्तीफा

प्रदर्शनकारी कर्फ्यू और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती के बावजूद काठमांडू और अन्य स्थानों पर एकत्र हुए। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई में कम से कम 19 लोगों की मौत के लिए ओली के इस्तीफे की मांग करते हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के उनके कार्यालय में घुसने और नारेबाजी करने के तुरंत बाद ओली ने पद छोड़ दिया।

एअर इंडिया ने काठमांडू के लिए उड़ानें रद्द कीं

भारत ने नेपाल में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच हवाई अड्डे के बंद होने की वजह से मंगलवार को दिल्ली से काठमांडू के बीच अपनी उड़ानें रद्द कर दीं। कंपनी ने एक बयान में बताया, "काठमांडू में मौजूदा स्थिति को देखते हुए दिल्ली-काठमांडू-दिल्ली मार्ग पर उड़ान भरने वाली एआई2231/2232, एआई 2219/2220, एआई 217/218 और एआई 211/212 उड़ानें आज (मंगलवार) के लिए रद्द कर दी गईं।

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जबरन धर्मांतरण विरोधी विधेयक कमजोर तबकों की सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण -गृह राज्य मंत्री

राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक, 2025 पारित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 ध्वनिमत से पारित किया गया। विधेयक पर जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री श्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि यह विधेयक प्रदेश में समरसता को बनाए रखने और सुरक्षित भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। भारत की सनातन संस्कृति हमेशा से उद्धार रही है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है, लेकिन इसमें धोखे, प्रलोभन, भय और छ्ल कपट से धर्म परिवर्तन करवाने का कहीं भी समर्थन नहीं किया गया है।

सामूहिक धर्मांतरण एवं कमजोर तबकों का धर्मांतरण करने पर अब आजीवन कारावास

विधेयक के अनुसार छल कपट से धर्म परिवर्तन करने पर 7 से 14 वर्ष तक के कारावास से दंडित किया जा सकेगा। साथ ही, न्यूनतम 5 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। अल्प वयस्क, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजन आदि को कपटपूर्ण तरीके से धर्म परिवर्तन करवाने पर न्यूनतम 10 से लेकर 20 वर्ष तक के कारावास से दंडित किया जा सकेगा। साथ ही, न्यूनतम 10 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। कपटपूर्ण तरीकों से सामूहिक धर्म परिवर्तन करवाने वाले व्यक्तियों को न्यूनतम 20 वर्ष से आजीवन कारावास तक की सजा हो सकेगी। साथ ही, उन पर न्यूनतम 25 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जा सकेगा। धर्म परिवर्तन के लिए विदेशी एवं अवैध संस्थाओं से धन प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को न्यूनतम 10 से 20 वर्ष तक के कठोर कारावास से दंडित किया जा सकेगा। साथ ही, न्यूनतम 20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। धर्म परिवर्तन करवाने के लिए किसी व्यक्ति को जीवन, संपत्ति के लिए धमकाने वाले, झांसा देकर विवाह करने, बेचकर दुर्व्यापार करने या इस निमित्त दुष्प्रेरित करने वाले व्यक्तियों को न्यूनतम 20 वर्ष लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकेगी। साथ ही, न्यूनतम 30 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। जबरन धर्म परिवर्तन के लिए पूर्व में दोषी सिद्ध हो चुके व्यक्ति की इसी अपराध के लिए पुनः दोष सिद्धि होने पर न्यूनतम 20 वर्ष लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकेगी। साथ ही, न्यूनतम 50 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, जिन संपत्तियों का उपयोग जबरन धर्म परिवर्तन करवाने के लिए किया गया है उनकी जब्ती की जा सकेगी। विधेयक के अनुसार विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन करवाने के उद्देश्य से किया गया विवाह फैमिली कोर्ट या इस विधेयक में निर्धारित अन्य सक्षम न्यायालय द्वारा निरस्त किया जा सकेगा। नए विधेयक के अंतर्गत धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को जिला मजिस्ट्रेट या उनके द्वारा अधिकृत अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष स्वेच्छा से एवं बिना किसी दवाब के धर्म परिवर्तन करने की जानकारी 90 दिन पहले देनी होगी। ऐसा नहीं करने की स्थिति में न्यूनतम 7 से 10 वर्ष तक की कारावास की सजा हो सकेगी। साथ ही, न्यूनतम 3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। धर्म परिवर्तन करवाने वाले धर्माचार्य को जिला मजिस्ट्रेट अथवा उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी के समक्ष धर्म परिवर्तन का नोटिस 2 माह पहले देना होगा। उल्लंघन की स्थिति में न्यूनतम 10 से 14 वर्ष तक की सजा हो सकेगी तथा न्यूनतम 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

जबरन धर्मांतरण समाज के लिए खतरा, लक्ष्य पर कमजोर तबके

बेढ़म ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी कहा था कि धर्म एक व्यक्तिगत विषय है, लेकिन इसका सामाजिक अव्यवस्था फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जाना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत के प्रत्येक नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार है परंतु बलपूर्वक एवं प्रलोभन से धर्मांतरण करने का हक किसी को नहीं है। बेढ़म ने कहा कि भारत के धार्मिक ग्रंथों में विशेष रूप से उल्लेख किया गया है कि ऐसा कोई कार्य नहीं किया जाना चाहिए जिससे धर्म की हानि होती हो। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से धोखे, छल कपट, प्रलोभन आदि से धर्मांतरण को निषेध किया गया है। समाज में शांति एवं सद्भाव बनाने के लिए यह एक उचित कदम है। बेढ़म ने कहा कि सुनियोजित रूप से धर्मांतरण करने वाले लोगों द्वारा समाज के कमजोर वर्गों को निशाना बनाया जाता है। इस प्रकार की मानसिकता वाले लोगों द्वारा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, शोषितों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों एवं महिलाओं को विशेष रूप से लक्ष्य बनाया जाता है।

न्यायालयों ने भी माना जबरन धर्मांतरण को गंभीर खतरा

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि धोखे से धर्म परिवर्तन करवाना पीड़ित व्यक्तियों की धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। भारतीय न्यायालयों द्वारा अनेक अवसरों पर जबरन धर्मांतरण को गैर कानूनी माना गया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्णित किया गया है कि संविधान के अनुच्छेद 25 में धार्मिक सिद्धांतों के प्रचार की अधिकार दिया गया है न कि जबरन धर्म परिवर्तन का। सर्वोच्च न्यायालय के साथ-साथ विभिन्न प्रदेशों के उच्च न्यायालयों द्वारा समय-समय पर जबरन धर्मांतरण को एक अवैध गतिविधि और गंभीर खतरा बताया गया है। जबरन धर्मांतरण जैसी गतिविधियां राष्ट्रीय अस्मिता के साथ-साथ सनातन संस्कृति के लिए हानिकारक है।

धर्मांतरण विरोधी कानून विभिन्न राज्यों में लागू, प्रदेश सरकार जबरन धर्मांतरण पर सख्त

बेढ़म ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में वर्ष 1978, आंध्र प्रदेश में 2007, उत्तराखंड में 2018, हिमाचल प्रदेश में 2019, उत्तर प्रदेश में 2021, कर्नाटक में 2021 और हरियाणा में 2022 में धर्मांतरण विरोधी कानून लाए जा चुके हैं। राजस्थान में भी तत्कालीन सरकार द्वारा 2008 में धर्मांतरण विरोधी कानून लाया गया था। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में जबरन धर्मांतरण पर पूर्णतया लगाम लगाने हेतु सख्त कानून प्रदेश की विधानसभा में लाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने जन भावनाओं का सम्मान करते हुए इस विधेयक को विधानसभा में रखा है ताकि कोई भी व्यक्ति विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन न कर सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने जबरन धर्मांतरण करने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की है। इस तरह के मामले अलवर, बांसवाड़ा आदि जिलों में सामने आने पर अपराधियों की तुरंत गिरफ्तारी कर कठोर कार्रवाई की गई है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में द्रव्यगुणोदीयमानम् विषय पर 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम शुरू

15 राज्यों के 30 प्रतिभागी करेंगे द्रव्यगुण के आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोणों पर चर्चा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में द्रव्यगुण विभाग द्वारा "द्रव्यगुणोदीयमानम्" विषय पर 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आयुष आहार समिति की अध्यक्ष एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मीता कोटेचा ने किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रो. कोटेचा ने कहा कि "आयुर्वेद में औषध द्रव्यों की तरह आहार द्रव्यों का मानकीकरण भी आज की आवश्यकता बन गया है। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप आयुष आहार नियमावली 2022 का प्रकाशन किया गया है।"

इस अवसर पर द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुदीप्त रथ ने सीएमई के विषय मे जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य औषधियों की गुणवत्ता एवं कार्यमुक्ता को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रमाणित करना है। इस हेतु प्रतिभागियों को एचपीएलसी, एचपीटीएलसी, एलसी-एमएस, आईसीपी-एमएस, जीसी-एमएस, माइक्रो सिटी, एवं एनिमल एक्सपेरिमेंटेशन जैसे आधुनिक उपकरणों और विधियों की जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रो. सुदीप्त रथ ने बताया कि इस सीएमई में भारतवर्ष के 15 राज्यों से कुल 30 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में संस्थान के समस्त शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम आगामी दिनों में विविध तकनीकी सत्रों और प्रायोगिक कार्यशालाओं के माध्यम से द्रव्यगुण विषय को आधुनिक संदर्भों में सुदृढ़ करेगा।

इंटरनेट अपराधों से बचाव के लिए शिक्षा विभाग का बड़ा निर्णय

स्कूलों में पढ़ाया जाएगा साइबर सुरक्षा का पाठ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। इंटरनेट की तेज़ रफ्तार पहुंच ने जहां लोगों की ज़िंदगी आसान बनाई है, वहीं साइबर अपराधों ने भी तेजी से पांव पसारे हैं। बैंक खातों से पैसों की चोरी, पहचान की ठगी, फर्जीवाड़ा और ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसे अपराध आम हो रहे हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग ने बड़ा कदम उठाते हुए निर्णय लिया है कि अब स्कूली पाठ्यक्रम में साइबर सुरक्षा को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा।

विद्यार्थी होंगे डिजिटल सुरक्षा के प्रहरी

शिक्षा विभाग का मानना है कि अगर विद्यार्थी कम उम्र से साइबर अपराधों की बारीकियों और उनसे बचाव के उपायों को समझेंगे तो वे स्वयं सुरक्षित रहेंगे और समाज के अन्य लोगों को भी जागरूक कर सकेंगे। विद्यार्थी घर जाकर अपने अभिभावकों को भी डिजिटल खतरों से सतर्क रहने की सलाह देंगे। अब केवल बच्चों को ही नहीं, बल्कि शिक्षकों को भी साइबर सुरक्षा से जुड़ी जानकारी दी जाएगी।

ग्रामीण से शहरी स्तर तक जागरूकता अभियान

शिक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल कक्षा में पढ़ाई तक ही सीमित न रहकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। गांवों और कस्बों में विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। विद्यालयों में कार्यशालाएं, साइबर सुरक्षा दिवस, निबंध व क्विज प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। राजस्थान शिक्षा विभाग का यह कदम देशभर में एक मिसाल बन सकता है।

साइबर अपराध बने बड़ा खतरा

शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने सभी शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी करते हुए कहा कि साइबर अपराध आज समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा बन रहे हैं। इससे बचाव केवल कानून से नहीं, बल्कि जागरूकता से संभव है। विद्यार्थी इस दिशा में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए पाठ्यक्रम और शिक्षक प्रशिक्षण दोनों में बदलाव किए जा रहे हैं।

क्यों बढ़ रहे हैं साइबर अपराध

- इंटरनेट की बढ़ती पहुंच और स्मार्टफोन का सर्वव्यापी उपयोग
- डिजिटल पेमेंट का विस्तार, तकनीकी जानकारी की कमी
- लापरवाही से लिंक/ऐप पर क्लिक करना
- बच्चों और बुजुर्गों का आसानी से शिकार बनना

साइबर सुरक्षा के आसान उपाय

- संदिग्ध लिंक, मैसेज या ईमेल पर क्लिक न करें।
- ओटीपी और पासवर्ड किसी से साझा न करें।
- सोशल मीडिया पर निजी जानकारी सीमित साझा करें।
- मजबूत पासवर्ड बनाएं और समय-समय पर बदलें।
- साइबर अपराध होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करें।

जागरूक खबरें

कॉन्स्टेबल भर्ती-2025: एडमिट कार्ड 11 सितंबर से होंगे डाउनलोड, जानें परीक्षा से जुड़ी हर जरूरी बात

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती 2025 की लिखित परीक्षा की तारीखें घोषित कर दी गई हैं। परीक्षा 13 सितम्बर को दूसरी पारी में और 14 सितंबर दोनों पारियों में आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि अभ्यर्थी 9 सितंबर से अपने परीक्षा केंद्र, जिले और पारी से संबंधित जानकारी ऑनलाइन देख सकेंगे। ई-प्रवेश पत्र 11 सितंबर 2025 से अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से डाउनलोड कर सकेंगे। प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में किसी भी समस्या के लिए अभ्यर्थी राजकॉम के हेल्पलाइन नंबर 7340557555 या 9352323625 पर और विभाग के संपर्क नंबर 0141-2821597 या ईमेल igrecraj@gmail.com पर सम्पर्क कर सकते है।

राजस्थान में एक जनवरी 2024 से अब तक 42 नवीन न्यायालय खोले गए-पटैल

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में एक जनवरी 2024 से अब तक 42 नवीन न्यायालय खोले गए हैं। विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का जवाब में यह जानकारी दी। पटेल ने कहा कि उच्च न्यायालय एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के आधार पर प्रदेश में नए न्यायालय खोले जाते है। उन्होंने सदन को बताया कि वर्ष 2024 से अब तक प्रदेश में 42 नवीन न्यायालय खोले गए हैं।

राजस्थान वक्फ बोर्ड ने पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी राहत सामग्री

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान वक्फ बोर्ड जयपुर की ओर से पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए मंगलवार को यहां राहत सामग्री रवाना की गई। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक रफीक खान और वक्फ बोर्ड अध्यक्ष खानु खान बुधवाली ने हरी झंडी दिखाकर इस राहत सामग्री का रवाना किया। इस अवसर पर गहलोत ने कहा कि राजस्थान के लोगों का स्वभाव हमेशा से मदद करने का रहा है। चाहे उड़ीसा की बाढ़ हो, गुजरात का भूकंप, केदारनाथ त्रासदी या केरल की बाढ़ हर आपदा में राजस्थान के लोग आगे आए हैं। उड़ीसा बाढ़ के समय उस वक्त भी राज्यवासियों ने 20-25 करोड़ रुपये राहत कोष में दिए थे। गुजरात भूकंप के दौरान राजस्थान सरकार ने सैकड़ों ट्रक राहत सामग्री भेजकर हरसंभव मदद की थी।

गांव चलो अभियान 19 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक होगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राज्य भर में "गांव चलो अभियान" का आयोजन 19 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) तक चलेगा और राज्य के सुदूर गांवों तक सरकार की योजनाओं, सेवाओं और जागरूकता गतिविधियों को पहुँचाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक शुरु वार प्रत्येक पंचायत समिति के दो पंचायतों में गांव चलो अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य गांवों को आत्मनिर्भर, स्वच्छ, जागरूक और सशक्त बनाना है। इसमें जनसहभागिता, सरकारी सेवाओं की सीधी पहुंच, और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र ग्रामीणों तक पहुँचाना प्रमुख रहेगा। पंचायती राज मंत्री ने बताया कि अभियान के तहत विभिन्न सरकारी योजना हेतु आवेदन एवं स्वीकृतियां, स्वास्थ्य शिविर, लंबित यूडीआईडी कार्ड वितरण, पशु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, विधायक सांसद स्थानीय क्षेत्र कार्यर् म तथा क्षेत्रीय विकास कार्यर् म (जैसे डांग मगरा मेवात इत्यादि) के तहत उपलब्ध राशि के माध्यम से स्कूल इत्यादि की मरम्मत हेतु स्वीकृतियां एवं कार्य, स्वामित्व योजना के तहत पट्टों हेतु आवेदन, स्वीकृतियां एवं वितरण, दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव के तहत 10 हजार और गांव में बीपीएल परिवारों का सर्वे, बिजली तारों एवं खंभों इत्यादि में सुधार, बीज मिनी के वितरण, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण सहित आय, जाति प्रमाण पत्र को बनाना एवं वितरित करना जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे।

धमाकेदार मानूसन की प्रदेश से धीमे पाव विदाई!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में आज से आगामी एक सप्ताह तक भारी बारिश की गतिविधियों से राहत मिलने की प्रबल संभावना है। ऐसे में मानसून की संभवतया विदाई माना जा रहा है। चूंकि मौसम विभाग ने आमागी दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की है। हालांकि विभाग ने बाड़मेर, जैसलमेर व आस-पास के जिलों में आज भी कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने गुरूवार को बाड़मेर, जैसलमेर व आस-पास के जिलों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं, प्रदेश में आज से ही भारी बारिश की गतिविधियों से राहत मिलने की प्रबल संभावना है। पूर्वी राजस्थान के कोटा, भरतपुर, जयपुर, अजमेर, उदयपुर संभाग के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह बारिश की गतिविधियों में गिरावट जारी रहने व केवल छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में भी आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियों में तेजी से गिरावट होने व 11 सितंबर से अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की प्रबल संभावना है। आगामी दो से तीन दिन में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढोतरी की संभावना हैं।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी परीक्षा राज्य में निष्पक्षता से संपन्न करायेंगे

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष एवं पूर्व मेजर जनरल आलोक राज ने कहा है कि 19 से 21 सितम्बर तक राज्य के 38 जिलों में आयोजित होने वाली चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी परीक्षा निष्पक्षता से संपन्न करवाई जायेगी। परीक्षा तैयारियों का जायजा लेने मंगलवार को बीकानेर आये राज ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक लेने के बाद पत्रकारों को बताया कि इस परीक्षा में करीब 25 लाख परीक्षार्थी बैठेंगे।

स्वायत्त शासन विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक

शहर चलो अभियान के संचालन के लिए प्रभावी कार्ययोजना करें तैयार-देबाशीष

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन और मंत्री झाबर सिंह खर्रा के नेतृत्व में आमजन को सुगम जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे शहर चलो अभियान की तैयारियों को लेकर मंगलवार को स्वायत्त शासन विभाग के सभागार में प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि और शासन सचिव रवि जैन द्वारा राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली गई । नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने सभी नगरीय विकास न्यास के सचिव को निर्देशित करते हुए कहा की शहर चलो अभियान के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण करना सुनिश्चित करें, कैम्प से पूर्व रोड, सीवरेज प्रणाली, लो लेइंग एरिया आदि का सघन निरीक्षण कर जलभराव वाली जगहों पर मड पम्प के सहारे जलनिकासी की जाए, साथ ही कैम्प के अंतर्गत किए जाने वाले मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की तैयारी तत्काल शुरू की जाए । उन्होंने कहा की समयबद्ध तरीके से कार्ययोजना बनाकर काम किया जाए, ताकि शहरी निकायों और गाँवों में बुनियादी सुविधाओं का सदृढ़ीकरण हो और सेवाओं के क्रियान्वयन को नई गति मिल सके ।

अंत्योदय की संकल्पना को साकार करने में मील का पत्थर बनेगा अभियान

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने कहा की राज्य सरकार की मंशानुसार शहर चलो अभियान के माध्यम से लोग को लाभान्वित करना हमारा लक्ष्य है, इसके लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए साथ ही अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर वहाँ की समस्याओं के बारे में जानकारी ली जाए। जैन ने कैम्प स्थल पर सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा की कैम्प स्थल के आसपास डस्टबिन अनिवार्य रूप से लगाए ताकि वहाँ कचरा न फैले। साथ ही उन्होंने कैम्प स्थल के पास वृक्षारोपण के भी निर्देश दिए ।

अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों के संबंध में समीक्षा बैठक

जन सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, बुनियादी सेवाओं को सुचारू करने के लिए तत्परता के साथ करें कार्य

सड़क, नहर और एनिकट मरम्मत की स्वीकृति तीन दिन में हो जारी, 23 सितम्बर तक कार्य करें प्रारंभ

बांध भराव की करें नियमित समीक्षा, समय पर करें पानी की निकासी

2 से 15 अक्टूबर तक संचालित होगा सहकारिता सदस्यता अभियान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक राहत एवं बचाव कार्यों के माध्यम से राज्य सरकार आमजन को हरसंभव मदद सुनिश्चित कर रही है। नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बुनियादी सेवाओं और सुविधाओं को तेजी से सुचारू किया जा रहा है। उन्होंने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों, नहरों, एनिकट तथा भवनों के मरम्मत के प्रस्तावों को तीन दिन में स्वीकृत करने के विशेष रूप से निर्देश दिए। साथ ही, इन स्वीकृत प्रस्तावों के कार्य 23 सितंबर तक प्रारंभ करने और क्षतिग्रस्त पक्के और कच्चे मकान की रिपोर्ट 2 दिन में प्राप्त कर तत्काल स्वीकृति जारी करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों से क्षतिग्रस्त सड़कों और भवनों के प्रस्ताव शीघ्र प्रेषित भी करवाए जाएं।

शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में जिला प्रभारी मंत्रीगण एवं जिला प्रभारी सचिवगण के साथ अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में 5 से 7 सितम्बर तक दौरा कर वापस आए मंत्रिगणों द्वारा धरातल की स्थिति और राहत तथा बचाव कार्यों पर दिए गए विस्तृत फीडबैक के आधार पर मुख्यमंत्री ने दिशा-निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी संवेदनशीलता के साथ जान-माल के नुकसान पर तत्परता के साथ सहायता उपलब्ध कराएं। चिकित्सा सेवाएं, खाद्य सामग्री की उपलब्धता सहित आवश्यक सेवाओं को निर्बाध और नियमित रखने और पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने निचले इलाकों और जल भराव वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभारी मंत्री व सचिव जिला कलेक्टर्स के साथ संपर्क स्थापित कर बांधों की नियमित मॉनिटरिंग भी करें तथा समय पर गेट खुलवाकर पानी की निकासी सुनिश्चित करें।

फसल खराबे पर त्वरित सहायता हेतु 6 सदस्यीय समिति होगी गठित

मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिवृष्टि से हुए फसल नुकसान पर राज्य सरकार किसानों के साथ दृढ़ता के साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को 33 प्रतिशत से अधिक फसल खराबे की स्थिति में बिनी किसी देरी के आर्थिक सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, जिन स्थानों पर ऐप के माध्यम से गिरदावरी करने में समस्या आ रही है, वहां लोकेशन डिसेबल की जाए। मुख्यमंत्री ने कृषि, राजस्व और सहकारिता विभाग के मंत्रीगण और सचिवों (6 सदस्यीय) की कमेटी बनाने का सुझाव भी दिया, जो किसानों को फसल खराबे की उचित व समयबद्ध सहायता पर विशेष रूप से कार्य करें। साथ ही, यह कमेटी एडवाइजरी बनाने के साथ ही बीमा कंपनी तथा किसानों के बीच समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऐसा तंत्र विकसित किया जाए, जिससे पानी का सभी क्षेत्रों में समान रूप से वितरण हो। ट्यूबवेल के माध्यम से पानी को रिचार्ज करने का सिस्टम भी विकसित हो। उन्होंने आवश्यकतानुसार बांधों की ऊंचाई बढ़ाने और एनीकट के निर्माण पर विशेष जोर दिया।

10 हजार से अधिक कार्य स्वीकृत, 1159 लोगों को सकुशल बचाया

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर आत्माराम सावंत ने प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों को लेकर प्रस्तुतीकरण देते हुए प्रगतिरत राहत और बचाव कार्यों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मानसून के दौरान 23 जिलों में असामान्य और 17 जिलों में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई। 10 हजार से अधिक रेस्टोरेशन कार्यों के लिए लगभग 211 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। अब तक 1159 लोगों को सकुशल बचाया गया है। उन्होंने बताया कि संभागीय मुख्यालय जिलों को 20 लाख तथा शेष जिलों को 10 लाख मानसून से पूर्व दिए जा चुके हैं।

राजस्थान को मुख्यमंत्री भजनलाल ने दी बड़ी सौगात

मिली 162 नई बसें, कैंची धाम का सफर भी हुआ आसान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को 162 नई बसों की सौगात दी। जयपुर के अमर जवान ज्योति पर सीएम भजनलाल ने राजस्थान रोडवेज की नई बसों का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 2 सुपर लग्जरी और 160 एक्सप्रेस बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले सीएम भजनलाल शर्मा ने नई बसों की पूजा-अर्चना की। नई बसों से सार्वजनिक परिवहन मजबूत होगा और यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही कैंची धाम का सफर भी आसान होगा।

वैशाली नगर डिपो को सबसे ज्यादा बसें

राजस्थान रोडवेज ने 288 बसों की खरीद प्रक्रिया शुरू की थी। जिनमें से अब 160 नई बसें राजस्थान रोडवेज को मिल चुकी है। सबसे ज्यादा 40 बसें जयपुर के वैशाली नगर डिपो को उपलब्ध कराई गई हैं। वहीं, शाहपुरा-विद्याधर नगर डिपो 22-22 बसें, जयपुर-दौसा को 20-20, अजमेर और अजयमेरू डिपो 7-7 बसें, कोटपूतली, हिंडौनसिटी व सवाईमाधोपुर डिपो को 5-5 बसें आवंटित की गई है।

कैंचीधाम के लिए 2 सुपर लग्जरी बस

इसके अलावा जयपुर से कैंचीधाम के लिए 2 सुपर लग्जरी बसें चलेंगी। सीएम भजनलाल ने पूजा अर्चना के बाद सुपर लग्जरी बसों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये बसें एसी, आरामदायक सीटें, वाई-फाई, जीपीएस और पैनिक बटन जैसी सुविधाओं से लैस हैं।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक गोपाल शर्मा, रोडवेज अध्यक्ष शुभ्रा सिंह, सचिव शुची त्यागी, एमडी पुरुषोत्तम शर्मा, जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान, जयपुर विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित

चिकित्सा और शोध का उत्कृष्ट केंद्र बनेगा रिम्स-डॉ. बैरवा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विधानसभा में राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान, जयपुर विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित हुआ। विधेयक पर चर्चा के बाद उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गत डेढ़ साल में चिकित्सा क्षेत्र में कई नवाचार हुए हैं जिससे राजस्थान अग्रणी राज्य बना है। इसी कड़ी में एम्स की तर्ज पर जयपुर में राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) स्थापित कर रहे हैं। रिम्स के जरिए स्वास्थ्य परिदृश्य को नई ऊंचाईयां देने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024-25 के बजट में प्रदेश में सुपर-स्पेशियलिटी चिकित्सा को नए आयाम देने के लिए आरयूएचएस (राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साईंसेज) का उन्नयन कर दिल्ली एम्स की तर्ज पर राजस्थान इंस्टीयूट ऑफ मेडिकल साईंसेज (रिम्स) की स्थापना के लिए घोषणा की गई थी। इसमें चरणबद्ध रूप से 750 करोड़ रुपए व्यय करने का प्रावधान रखा गया है।

सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधाएं

डॉ. बैरवा ने कहा कि रिम्स से प्रदेश में सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी, जिससे राज्य को विशेष पहचान मिलेगी। रिम्स एक स्वायत्त संस्थान और विश्वविद्यालय के रूप में कार्य करेगा। यहां राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 के तहत डिग्री, डिप्लोमा और अन्य शैक्षणिक मान्यता दी जा सकेगी। रिम्स में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, एंडोक्राइनोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, सीटीवीएस एवं ट्रांसप्लांट यूनिट जैसी सुपर स्पेशिलिटी सहित सभी प्रकार की चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी, विभिन्न विभागों की स्थापना होंगी। रिम्स में सुपर-स्पेशिलिटी और ब्रॉड स्पेशिलिटी के विकास, क्वाटरनरी-स्तर के रेफरल अस्पताल सेवाओं, आधुनिक चिकित्सा और संबद्ध विज्ञानों (आयुष प्रणालियों-आयुर्वेद और योग) में विशेष स्नातकोत्तर शिक्षण और राज्य के विशिष्ट स्वास्थ्य पहलुओं पर नवाचार और अनुसंधान किया जाएगा। साथ ही, शिक्षकों के प्रशिक्षण का भी नवाचार होगा।

मुख्य सचिव होंगे रिम्स के अध्यक्ष

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस एकीकृत संस्थान में राज्य के मुख्य सचिव अध्यक्ष होंगे। संस्थान में अध्यक्ष के साथ शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग, शासन सचिव, वित्त विभाग, कुलगुरु, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय जयपुर, आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा विभाग, संस्थान निदेशक, निदेशक चिकित्सा शिक्षा विभाग, राज्य सरकार द्वारा नामित विधानसभा सदस्य, महानिदेशक, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, निदेशक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़, निदेशक, जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुदुचेरी, निदेशक, भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलुरू, निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, अध्यक्ष, आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय जयपुर, संस्थान के समस्त संकायाध्यक्ष और दो सदस्य आयुर्विज्ञान क्षेत्र के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ सदस्य होंगे।

यूरेनियम खनन से स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे- गोदारा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सीकर जिले की तहसील खण्डेला में यूरेनियम खनन से सम्बंधित परियोजना के तहत कार्यकारी संस्था यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (UCIL) की ओर से लगभग 3 हजार करोड़ का निवेश किया जाएगा। इस परियोजना के माध्यम से 1 हजार 623 नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इसमें लगभग 80 प्रतिशत स्थानीय लोग शामिल होंगे। गोदारा प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का खान एवं पेट्रोलियम मंत्री की तरफ से जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सीकर जिले की तहसील खण्डेला में यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (UCIL), Atomic Minerals Directorate for E&ploration and Research (AMD) एवं Department of Atomic Energy (DAE) केंद्र सरकार द्वारा खनिज यूरेनियम की विस्तृत खोज (E&ploratory Mining) का कार्य करवाया जा रहा है। जिसमें मौके पर DECLINE व उससे संबंधित कार्य प्रगतिरत है। उन्होंने कहा कि तीनों ही संस्थाओं द्वारा देश में अन्य स्थानों पर संबंधित क्षेत्र के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि खण्डेला में भी जनहित को ध्यान में रखकर हरसंभव विकास किया जाएगा।

2 से 15 अक्टूबर तक प्रदेश भर में चलेगा सहकार सदस्यता अभियान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि आगामी 2 से 15 अक्टूबर तक संचालित किए जाने वाले 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत पूरे मनोयोग से प्रयास कर निर्धारित लक्ष्य हासिल किए जाएं। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत युवाओं और महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में सहकारिता से जोड़ने के प्रयास किए जाएं, जिससे अभियान का उद्देश्य साकार हो सके। राजपाल मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष से वीसी के माध्यम से अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य में सहकारिता का दायरा बढ़ाने की दृष्टि से यह अभियान एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। अभियान के अंतर्गत राज्य की सभी लगभग 8,600 पैक्स के स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें पांच प्रकार की गतिविधियां मुख्य रूप से आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों में नवीन पैक्स के गठन हेतु प्रस्ताव व सदस्यता राशि प्राप्त करना तथा स्वीकृति जारी करना, प्रस्तावित नये सहकारिता कानून के प्रावधानों की जानकारी देना, पैक्स/डेयरी सहकारी समितियों में युवाओं व महिलाओं के लिए विशेष सदस्यता अभियान चलाना, पीएम किसान योजना के अंतर्गत लम्बित आवेदनों की ई-केवाईसी व आधार सीडिंग कराकर इनका निस्तारण करना तथा नवीन गोदामों के लिए आवश्यकता के अनुरूप जमीन चिह्नीकरण किया जाना शामिल है। उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पैक्सविहीन ग्राम पंचायतों में 'गांव चलो अभियान' के तहत विविध गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने इस संबंध में गतिविधियों का निर्धारण कर राजस्व विभाग को अवगत करवाने के निर्देश दिए।

राजस्थान विधानसभा : माँ वाउचर योजना

गर्भवती महिलाओं को निजी केन्द्रों पर भी निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में संचालित मां वाउचर योजना के तहत दूसरी एवं तीसरी तिमाही की गर्भवती माताओं को राजकीय सोनोग्राफी जाँच उपलब्ध नहीं होने पर वाउचर जारी किया जाता है। इस क्यूआर कोड जनित वाउचर के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा दी जाती है। योजना के तहत प्रदेश के 1 हजार 363 निजी सोनोग्राफी केन्द्रों को अधिकृत किया गया है। राज्य सरकार द्वारा इन निजी केंद्रों को सीधे बैंक खाते में भुगतान किया जाता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी सुविधा में विस्तार के उद्देश्य से बजट घोषणा 2024 के तहत 17 सितम्बर, 2024 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में मां वाउचर योजना का शुभारम्भ किया गया। उन्होंने बताया कि योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को दूसरी व तीसरी तिमाही में निःशुल्क सोनोग्राफी के लिए वाउचर दिये किये जाते हैं, जिनकी वैद्यता जारी दिनांक के 30 दिवस तक रहती है। किसी कारणवश इस अवधि में वाउचर का उपयोग नहीं कर पाने की स्थिति में महिला द्वारा चिकित्सा संस्थान जाकर वैद्यता अवधि को आगामी 30 दिन तक बढ़वाया जा सकता है।

डॉ. प्रेमचंद बैरवा प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का चिकित्सा एवं स्वस्थ्य मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। डॉ. बैरवा ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत में आगामी समय में सोनोग्राफी एवं एमआरआई मशीनों की जरुरत होने पर विभाग द्वारा इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। इससे पहले विधायक शोभा चौहान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत पाली में मां वाउचर योजना के तहत 17 सितम्बर, 2024 से 04 सितम्बर, 2025 तक 5 अधिकृत निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर 583 सोनोग्राफी की गई है। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय, सोजत में निःशुल्क जांच योजना के तहत 1 हजार 804 गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी की गई। उन्होंने जानकारी दी कि मां वाउचर योजना के तहत राजकीय चिकित्सा संस्थानों में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध करवाने का प्रावधान नहीं है। विधानसभा क्षेत्र सोजत में संचालित चिकित्सालयों में केवल जिला चिकित्सालय सोजत में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध है व क्रियाशील है, सीटी स्कैन मशीन पीपीपी मोड पर संचालित है एवं एमआरआई मशीन का प्रस्ताव

सम्पादकीय

वार्ता से ही निकले रास्ता

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की यह उम्मीद कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। अच्छी बात यह है कि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद बातचीत का रास्ता बंद नहीं हुआ है। वॉशिंगटन और नई दिल्ली, दोनों मिलकर इस मसले को सुलझा सकते हैं।

दोनों देशों के बीच पिछले एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन यह तभी संभव है, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो। इसके लिए बातचीत ही रास्ता है। अड़ियल रुख अपनाने के बजाय अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत है।

भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। एक धड़ा कूटनीतिक सीमाओं के इतर जाकर बयानबाजी कर रहा है और जिसकी वजह से दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ा है। वहीं, दूसरे धड़े का मानना है कि रूस से तेल खरीदने के लिए केवल भारत को निशाना बनाना सही नहीं, जबकि सबसे बड़ा खरीदार चीन है। ऐसे माहौल में जरूरी है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। अच्छी बात यह है कि बेसेंट के मुताबिक, दोनों पक्ष मौजूदा हालात को लेकर चिंतित हैं और मसले को सुलझाना चाहते हैं।

भारत-अमेरिका का रिश्ता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। हाल के बरसों में दोनों ने सुरक्षा, तकनीक, ऊर्जा समेत दूसरे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाया है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, वॉशिंगटन में यह भी चिंता है कि पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका रिश्तों में जो प्रगति हुई थी, वह इन कुछ दिनों में बेकार हो गई।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका सबसे पुराना लोकतंत्र। भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और अमेरिका सबसे अमीर अर्थव्यवस्था। दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ता है, तो असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। अमेरिकी मांग के अनुसार, भारत अगर रूस से खरीदारी बंद भी कर देता है, तो इससे ग्लोबल ऑयल सप्लाई बाधित होगी और तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। स इस पहलू को लगातार नजरअंदाज कर रहा है।

दोनों देशों के बीच पिछले एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन यह तभी संभव है, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो। इसके लिए बातचीत ही रास्ता है। अड़ियल रुख अपनाने के बजाय अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत है।

जीएसटी सुधार और रणनीतिक विनिवेश पर सरकार का नया जोर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जीएसटी ढांचे को सरल बनाना ही सरकार का इकलौता सुधार एजेंडा नहीं है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक कांफ्रेंस के दौरान सुधार संबंधी कुछ क्षेत्रों के बारे में बात की

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने गत सप्ताह अप्रत्यक्ष कर ढांचे में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन किए। परिषद ने सैद्धांतिक रूप से 5 और 18 फीसदी की दो दरों को अपनाने की घोषणा की जबकि नुकसानदेह और विलासितापूर्ण वस्तुओं के लिए 40 फीसदी की ऊंची कर दर रखी गई है। परिषद ने क्षतिपूर्ति उपकर के मुद्दे पर भी विचार किया। उपकर केवल कुछ नुकसानदेह वस्तुओं से वसूल किया जाएगा, वह भी तब तक जब तक कि महामारी के समय राज्यों की राजस्व कमी की भरपाई की खातिर लिए गए कर्ज को चुकता नहीं कर लिया जाता। माना जा रहा है कि यह कर्ज अगले कुछ महीनों में चुकता हो जाएगा। दोनों बातों को एक साथ देखा जाए तो ये उपाय जीएसटी व्यवस्था को विगत आठ वर्षों की तुलना में कहीं अधिक सरल बनाएंगे। दरों में बदलाव आगामी 22 सितंबर से लागू होगा।

बहरहाल, जीएसटी ढांचे को सरल बनाना ही सरकार का इकलौता सुधार एजेंडा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में अगली पीढ़ी के सुधारों का जिक्र किया। सरकार ने ऐसे सुधारों के लिए एक नई समिति की घोषणा की है। जैसा कि सीतारमण ने कहा, अगर हर माह रिपोर्ट के जरिये कदम उठाए जाने लायक बिंदु सामने रखे जाएं तो सरकार उनका क्रियान्वयन करेगी।

उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय के भीतर अन्य बातों के अलावा विनिवेश पर भी जोर देने की आवश्यकता है। यह कोई नया नहीं बल्कि पुराना एजेंडा है जिसमें कई कारणों से ढिलाई बरती जाने लगी थी। विनिवेश पर नए सिरे से जोर देना स्वागतयोग्य है। यह बात ध्यान देने लायक है कि सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान एक नई रणनीतिक विनिवेश नीति की घोषणा की थी। उसे 2021-22 के आम बजट में प्रस्तुत किया गया था।

इस नीति के मुताबिक सरकार केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों यानी सीपीएसई में अपनी मौजूदगी न्यूनतम करेगी। इस बारे में कुछ रणनीतिक क्षेत्रों की पहचान की गई- जैसे परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और रक्षा, परिवहन और दूरसंचार, बिजली, पेट्रोलियम, कोयला और अन्य खनिज तथा बैंकिंग, बीमा एवं वित्तीय सेवा आदि। गैर रणनीतिक क्षेत्रों के सीपीएसई का निजीकरण किया जाना है या उन्हें बंद किया जाना है। बहरहाल, इस मोर्चे पर ज्यादा कुछ नहीं हुआ। अगर इस नीति को सही ढंग से लागू किया गया तो सरकार और अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर होगा।

अब सरकार ने बजट में सालाना विनिवेश लक्ष्य देना बंद कर दिया है जो एक तरह से अच्छा निर्णय है। सालाना लक्ष्य से विनिवेश की प्रक्रिया केवल राजस्व बढ़ाने की कवायद में बदलकर रह जाती है। इसका लक्ष्य राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल करना रह जाता है। ऐसा नहीं होना चाहिए। राजस्व तो इस कवायद का केवल एक पहलू है। इसके साथ निजी क्षेत्र के लिए जगह बनाने और व्यवस्था को बेहतर बनाने का व्यापक लक्ष्य जुड़ा होना चाहिए। इससे राज्य की क्षमता में भी सुधार होगा। हालांकि इसका यह अर्थ नहीं है कि प्राप्तियां महत्त्वपूर्ण नहीं हैं।

रणनीतिक विनिवेश से काफी मूल्य निकल कर सामने आ सकता है और प्राप्तियों का इस्तेमाल आने वाले वर्षों में सरकार के पूंजीगत व्यय कार्यक्रम की भरपाई के लिए किया जा सकता है। इससे मध्यम अवधि में वृद्धि को गति देने में मदद मिलेगी। प्राप्त राशि का एक हिस्सा सार्वजनिक ऋण की अदायगी में भी उपयोग किया जा सकता है, जिससे ब्याज भुगतान का बोझ कम होगा और राजकोषीय गुंजाइश बढ़ेगी। लेकिन वार्षिक प्रवाह समान नहीं होते और यह इस बात पर निर्भर करता है कि किस प्रकार की और कितनी कंपनियों का विनिवेश किया जा रहा है।

सरकार को चाहिए कि वह राजकोषीय घाटे का आंकड़ा विनिवेश सहित और उसके बिना दोनों रूपों में प्रस्तुत करे, ताकि वित्तीय स्थिति की अधिक स्पष्ट और तुलनात्मक तस्वीर सामने आ सके। कुल मिलाकर, विनिवेश की घोषित नीति को लागू करने के पक्ष में पर्याप्त तर्क मौजूद हैं, लेकिन इसे राजनीतिक रूप से संभालना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। उम्मीद है कि इस बार सरकार इन बाधाओं को सफलतापूर्वक पार कर पाएगी।

(ये लेखक के अपने विचार है)

आप-हमने अंजाने में यूं हीं दे दिया नौनिहालों को गैजेट नशा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

संतोष
स्वतंत्र पत्रकार
@jagrukjanta.net

बीते समय में देश के एक संस्थान के बाल रोग विभाग ने 660 बच्चों का दो साल तक गहन अध्ययन किया गया। अध्ययन में पांच साल तक के बच्चों को शामिल किया गया था। पता चला कि ये बच्चे एक घंटा से भी अधिक समय मोबाइल पर बिताते हैं। मोबाइल और टीवी का कुल समय पांच घंटे निकला। यही नहीं, इनके माता-पिता भी लगभग साढ़े छह घंटे विभिन्न गैजेट्स पर बिताते हैं। इसी अध्ययन में यह भी पाया गया कि 60 प्रतिशत बच्चे सोने से पहले इन उपकरणों के इस्तेमाल के आदी हो चले हैं। यह भी एक तरह का नशा ही है, जिस पर अगर समय रहते ध्यान न दिया गया, तो यह आदत आने वाली पीढ़ियों के लिए भारी मुसीबत बन सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्पष्ट सलाह है कि दो साल तक के बच्चों के हाथों में गैजेट्स या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं देने चाहिए। यहां तक कि पांच साल की उम्र में भी उनका 'स्क्रीन टाइम' एक घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। लेकिन संपन्न होते घरों में यह देखने को मिलता है कि वे इसे अपनी हैसियत से जोड़ने लगे हैं, किसके बच्चे के हाथ में किस ब्रांड का कितना महंगा मोबाइल और टैबलेट है? इससे वह अन्य बच्चों से श्रेष्ठ साबित होता है। लेकिन ऐसा करते हुए वे भूल जाते हैं कि वे अपने बच्चों का आज ही नहीं, भविष्य भी बिगाड़ रहे हैं।

अभी चंद साल पहले का वाकया है। दिल्ली के अस्पताल में एक ऐसे बच्चे को दाखिल किया गया था, जो 16-17 घंटे कंप्यूटर के सामने बिताता था। वह स्कूल भी नहीं जाना चाहता था। मना करने पर इतना गुस्सा करता कि घर में तोड़-फोड़ पर आमादा हो जाता। चिंतित माता-पिता को अंततः उसे अस्पताल में दाखिल कराना पड़ा। डॉक्टरों ने धीरे-धीरे इसके कंप्यूटर देखने के समय को घटाया। बहुत लंबी देखरेख और इलाज के बाद यह बच्चा इस 'एडिक्शन' से बाहर निकला। ऐसी खबरों की अब कोई कमी नहीं, जिनमें माता-पिता द्वारा ज्यादा मोबाइल देखने से मना करने पर बच्चे ने अपनी जान दे दी। हम आसानी से यहां-वहां यह देख सकते हैं कि माता-पिता कुछ महीनों के बच्चों को मोबाइल पकड़ा देते हैं। अब तो ऐसी दलीलें भी पेश की जाने लगी हैं कि जब तक हाथ में मोबाइल न दिया जाए या टीवी पर कार्टून शो न ऑन किया जाए, उनका बच्चा न दूध पीता है, और न सोता है। कम उम्र में स्क्रीन पर अधिक से अधिक समय बिताना बच्चों के लिए बेहद हानिकारक है। अब तक तो टीवी या कंप्यूटर ही था, जिसे माता-पिता या घर के बड़े नियंत्रित कर सकते हैं, मगर मोबाइल, टैब तो हाथ में होता है। उस पर कितना समय बिताया, यह आसानी से पता नहीं चलता। फिर अगर ये पढ़ाई का हिस्सा हो, तब कोई रोक-टोक भी कैसे की जा सकती है? एक वक्त था, जब स्कूलों में बच्चों के मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध था। लेकिन कोरोना महामारी के कारण उपजी परिस्थितियों ने बच्चों और स्मार्टफोन की दूरी घटा दी। उन दिनों माता-पिता ऐसी शिकायत करते हुए भी पाए गए कि आखिर 24 घंटे वे कैसे नजर रख सकते हैं कि बच्चे क्या देख रहे हैं? ऐसी रिपोर्टें भी आई हैं कि अपने देश में बच्चे सबसे अधिक फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं। वे अश्लील वेबसाइटों के भी बड़े विजिटर हैं। इन्हें देखकर कई बच्चे ऐसे-ऐसे अपराध को अंजाम देने लगे हैं, जिनके बारे में पहले सुना नहीं जाता था। एनसीआरबी का ताजा आंकड़ा बताता है कि साल 2020 में हत्या, बलात्कार, अपहरण समेत तरह-तरह के संगीन अपराधों में संलिप्तता के आरोपी 35,352 किशोरों में से लगभग 5,000 बच्चों ने उच्च माध्यमिक कक्षा तक की पढ़ाई की थी।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आखर आखर झरे उजियार

बड़े काम में यथाशक्ति सहयोग भी धर्म

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की हार्दिक अभिलाषा थी कि काशी में विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का बड़ा केंद्र निर्मित हो। वहां एक भव्य विश्वविद्यालय बने। इसके लिए वो समाज के धनाढ्य लोगों से सहयोग के मक़सद से प्रार्थना करते। एक दिन वो अपने मित्र के साथ शहर के एक धनीमानी व्यक्ति से सहयोग के लिए उसके घर गए। साँझ का समय था। आकाश में अंधेरा आच्छादित होने लगा था। सेठ जी ने अपने पुत्र को बैठक में लालटेन जलाने की आज्ञा दी। पुत्र बैठकखाने में लालटेन लेकर आया। माचिस से उसे जलाने की चेष्टा की। तीन तीलियां खर्च हो जाने के बाद भी लालटेन नहीं जली तो सेठ जी ने बेटे को फटकार लगाई,ये क्या हुआ? तुमने तीन तीलियां जला दी, फिर भी लालटेन जला नहीं पाए ? यह लापरवाही तो ठीक नहीं। मालवीय जी इस दृश्य को देखकर नाउम्मीद होकर लौट जाने को उद्यत हुए ही थे कि उन्होंने देखा कि सेठ जी कमरे में आए। उन्होंने मालवीय जी से कहा, अरे आप वापिस क्यों जाने लगे? आने का प्रयोजन तो बताया ही नहीं। मालवीय जी ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय निर्माण की अपनी योजना के बारे में बताया। सेठ जी ने कहा, यह तो बहुत अच्छा विचार है। और... उन्होंने तुरन्त पच्चीस हज़ार रुपये की राशि उन्हें सौंप दी। मालवीय जी अचंभित से उन्हें देखने लगे। बोले, अभी तो आप अपने पुत्र को माचिस की तीलियां नष्ट करने पर डांट रहे थे। और अभी हाल ही आपने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए पच्चीस हज़ार दे दिए। आपके व्यवहार में ये फ़र्क क्यों है?

सेठ जी ने कहा, माचिस की तीली व्यर्थ नहीं जानी चाहिए, अपव्यय पर अंकुश जरूरी है। लेकिन बड़े काम में सहयोग देना भी हमारा धर्म बनता है। यह बात हम नहीं भूलते, आदरणीय! सेठ जी का उत्तर सुन कर मालवीय जी और उनके मित्र गदगद हो गए।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

21. **बाण बनाने वाला-** जैसे बाण बनाने वाला कारीगर बाण बनाने में इतना तन्मय रहता है कि उसके पास से ही दल-बल के साथ राजा की सवारी भी निकल जाए तो उसे पता तक नहीं रहता। ऐसे ही साधक को चाहिए कि आसन और श्वास को जीतकर वैराग्य और अभ्यास द्वारा अपने मन को वश में करें और उसे अपने लक्ष्य परमानन्द स्वरूप परमात्मा में लगा दें। इस प्रकार जिसका चित्त अपने आत्मा में ही स्थिर हो जाता है। उसे बाहर भीतर कहीं पदार्थ का भान नहीं होता।

22. **सांप-** जैसे सांप अकेले में ही विचरण करता है, मंडली बांधकर नहीं रहता। सांप अपना घर नहीं बनाता वह दूसों के बनाए घर में घुसकर अपना समय काटता है। वैसे ही संन्यासी को अकेले में विचरण करना चाहिए। न मठ, घर आदि बनाए और न एक स्थान पर रहे।

23. **मकड़ी-** जैसे मकड़ी अपने हृदय से मुंह के द्वारा जाला फैलाती है, उसी में विहार करती है फिर उसे निगल जाती है, वैसे ही परमात्मा भी इस जगत को अपने में से उत्पन्न करते हैं। सबके प्रकाशक और अन्तर्यामी सर्वशक्तिमान भगवान बिना किसी अन्य सहायक के अपनी ही माया से रचे हुए जगत को कल्प के अंत में कालशक्ति द्वारा नष्ट कर देते हैंम, अपने में लीन कर लेते हैं। वे अकेले ही शेष रहते हैं। वे सब के अधिष्ठान और सबके आश्रय हैं।

क्रमशः

ओपिनियन

अमीर बनने से पहले ही वृद्ध होने लगा हमारा देश

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चेतेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

पिछले कुछ दशकों से भारत प्रजनन व मृत्यु-दर को कम करने में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। लेकिन हम एक ऐसी स्थिति की ओर भी बढ़ रहे हैं, जिसमें 60 साल से अधिक उम्र वालों की आबादी तेजी से बढ़ रही है। ऐसा पूरे देश में हो रहा है। जनसंख्या रुझान और सरकारी व दूसरी अन्य एजेंसियों के पूर्वानुमान बता रहे हैं कि यह बदलाव भारत की मुख्य चिंताओं में शामिल होना चाहिए और विभिन्न कारणों से इस पर तुरंत राजनीतिक व नीतिगत विचार किया जाना चाहिए।

पहला कारण। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, हमारी जनसंख्या में बुजुर्गों का अनुपात यद्यपि कम (8.6 प्रतिशत) था, लेकिन उनकी कुल संख्या बहुत बड़ी (10.4 करोड़) थी। अनुमान है कि अगले डेढ़ दशक में, यानी 2036 तक भारत में वृद्ध लोगों की संख्या 22.5 करोड़ और 2061 तक 42.5 करोड़ हो जाएगी। यह पिछले 50 साल में उनकी आबादी में चार गुनी बढ़ोतरी है। यहां यह भी ध्यान देने की आवश्यकता है कि अलग-अलग राज्यों में इस वृद्धि का स्तर भिन्न है। उत्तरी व मध्यवर्ती राज्यों में कम और दक्षिणी सूबों में यह अधिक है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, बुजुर्गों का अनुपात बिहार में 7.4 प्रतिशत था, जबकि केरल में 12.6 फीसदी। लेकिन अनुमान के मुताबिक, 2041 में बिहार में जहां वृद्धों का अनुपात इसकी कुल आबादी का 11.6 प्रतिशत हो जाएगा, तो वहीं केरल में यह 23.9 फीसदी पर पहुंच जाएगा। जाहिर है, यह स्थिति सभी राज्यों में बुजुर्गों के लिए योजना बनाने के वास्ते अलग नजरिया अपनाने का महत्व बता रही है।

दूसरी वजह है, भारत में बुढ़ापा का बहुत तेज गति से बढ़ना। गौर कीजिए, फ्रांस और स्वीडन की कुल आबादी में बुजुर्गों की हिस्सेदारी के दोगुना होने, यानी उनके सात से 14 प्रतिशत होने में जहां क्रमशः 110 और 80 साल लगे, भारत में सिर्फ 20 साल लगने का अनुमान है। एजेंसियों का आकलन है कि साल 2061 तक भारत का हर चौथा व्यक्ति 60 साल से अधिक उम्र का होगा। ऐसे में, हमें खुद से यह सवाल पूछने की आवश्यकता है कि इस तेज गति से वृद्ध होती आबादी की सेवा के लिए क्या एक देश, परिवार और व्यक्ति के तौर पर हम तैयार हैं?

तीसरी वजह। भारत अमीर बनने से पहले ही बूढ़ा हो रहा है। यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड का साल 2012 का एक अध्ययन बताता है कि बुजुर्ग लोगों में गरीबी-दर अधिक है। इनमें से 52 प्रतिशत पूरी तरह, तो 18 फीसदी आंशिक रूप से अपने जीवन-यापन के लिए दूसरों पर निर्भर हैं। भारतीय बुजुर्गों की एक बड़ी संख्या अपनी कमजोर माली स्थिति के कारण काम करने को बाध्य है। इसकी पुष्टि साल 2019-20 के मनरेगा के आंकड़े करते हैं। उस साल 93 लाख ऐसे बुजुर्गों ने काम किया, जो 61 वर्ष या उससे भी अधिक के थे। चौथा कारण। हमारे देश में बुजुर्गों को सेवा सुविधाएं काफी कम हासिल हैं। महज 20 प्रतिशत के करीब लोगों को ही सामाजिक सुरक्षा हासिल है, जबकि स्वास्थ्य बीमा कवच लगभग 25 प्रतिशत के पास है। 85 प्रतिशत पेंशनधारी अपनी पेंशन भोजन, दवा और जीने के लिए जरूरी दूसरी चीजों पर खर्च करते हैं। यह भी एक तथ्य है कि 60 साल से अधिक आयु के करीब एक करोड़ बुजुर्ग हर साल अस्पताल में भर्ती होते हैं। 70 साल से अधिक आयु के लगभग 50 फीसदी वृद्ध एक या उससे अधिक गंभीर बीमारियों की जद में हैं।

साफ है, आने वाले दशकों में हमारी बुजुर्ग आबादी में भारी वृद्धि तय है, मगर उनके लिए सामाजिक सुरक्षा कवच और स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच बेहद कम है। वैसे तो उनके लिए कई योजनाएं हैं, मगर वे सांकेतिक हैं, क्योंकि वे कोई सार्थक असर डाल सकें, इस लायक उनके पास वित्तीय संसाधन नहीं। बहरहाल, अगर बूढ़ी होती आबादी के मसले पर अभी से ध्यान नहीं दिया गया, तो हमारे सामने वही स्थिति खड़ी हो सकती है, जो आज नौजवानों के कमजोर कौशल को लेकर खड़ी है। इनके कौशल विकास पर दशकों पहले से ध्यान दिया जाना चाहिए था। इसलिए बुजुर्गों के मामलों में आने वाले दशकों के लिए योजना बनाने का यही समय है। देश इस विशाल वृद्ध आबादी को अपनी सामूहिक चेतना से ओझल नहीं होने दे सकता।

(ये लेखक के अपने विचार है)

शिक्षक दिवस पर माधव विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत का संदेश

"शिक्षक समाज और राष्ट्र के सच्चे निर्माता, उनके बिना देश की प्रगति नहीं है संभव"

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

डॉ. भावेश कुमावत
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

आबूरोड। शिक्षक समाज और राष्ट्र के सच्चे निर्माणकर्ता होते हैं क्योंकि वे न केवल ज्ञान का संचार करते हैं, बल्कि समाज को सही दिशा देने, नैतिक मूल्य स्थापित करने और बच्चों के व्यक्तित्व का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माधव विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ भावेश कुमावत ने शिक्षक दिवस को लेकर अपने एक संदेश में यह बात कही। उन्होंने बताया कि शिक्षक समाज में सकारात्मक परिवर्तन के संवाहक होते हैं, जो छात्रों को शिक्षा के माध्यम से जीवन के प्रति जागरूक, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनाते हैं। वे अपनी सृजनात्मक क्षमता से समाज में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं और नवीन शैक्षिक वातावरण का निर्माण करते हैं। शिक्षक केवल विषयों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि वे समाज, संस्कृति और इतिहास की समझ भी प्रदान करते हैं, जिससे विद्यार्थी जीवन और समाज के जटिलताओं को समझ सकें। वे एक ऐसे समाज के निर्माण में सहायक होते हैं जहां समानता, समावेशिता और सामाजिक न्याय का विकास होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी शिक्षक की इस भूमिका को महत्व देते हुए शिक्षा को केवल साक्षरता तक सीमित न रखते हुए सामाजिक, चारित्रिक और भावनात्मक विकास पर जोर दिया गया है। इस प्रकार, शिक्षक के बिना कोई राष्ट्र प्रगति नहीं कर सकता क्योंकि शिक्षा और शिक्षक ही समाज की नींव होते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को मजबूत, सशक्त और राष्ट्र हितैषी बनाते हैं। उनका समर्पण और नेतृत्व समाज को एक बेहतर स्थान बनाने का आधार है और वे राष्ट्र के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 10/09/2025

सूर्योदय : 06:13 **सूर्यास्त** : 18:33 **चन्द्रोदय** : 20:14 **चन्द्रास्त** : 08:38 **शक सम्वत** : 1947 विश्वावसु **अमान्ता महीना** : आश्विन **पूर्णिमांत** : आश्विन **सूर्य राशि** : सिंह **चन्द्र राशि** : मीन **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : तृतीया, 15:38 तक **वार** : बुधवार **विक्रम संवत्** : 2082 कालयुक्त **द्रिक ऋतु** : शरद **द्रिक-वैदिक अयन** : दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : रेवती, 05:49 तक
योग : वृद्धि, 20:27 तक
प्रथम करण : विष्टि, 15:38 तक
द्वितिय करण : बावा, 26:11 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:31 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:55 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:23 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:32 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:32 पी एम से
अमृत काल	01:51 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:55 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : मंगल
अग्निवास : पृथ्वी

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:13 - 07:45	उद्वेग	18:32 - 20:00
अमृत	07:45 - 09:17	शुभ	20:00 - 21:27
काल काल वेला	09:17 - 10:50	अमृत	21:27 - 22:55
शुभ	10:50 - 12:22	चर	22:55 - 00:22
रोग वार वेला	12:22 - 13:55	रोग	00:22 - 01:50
उद्वेग	13:55 - 15:27	काल	01:50 - 03:18
चर	15:27 - 17:00	लाभ	03:18 - 04:45
लाभ	17:00 - 18:32	उद्वेग	04:45 - 06:13

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज तृतीया

आज कौन सा कार्य करें

तृतीया को यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

भाद्रपद, कृष्ण, तृतीया, 2082 बुधवार, 10 सितम्बर - 16 सितम्बर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
विधिक मामलों में आपकी विजय हो सकती है। आपके खर्चों में कमी आयेगी। जॉब में मनोनुकूल काम मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। सोशल मीडिया में आप अत्यन्त सक्रिय रहेंगे।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
मित्रों के भरोसे अपने काम न छोड़ें। ऑनलाइन मार्केटिंग का अच्छा प्रयोग कर सकते हैं। बच्चे बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य पसन्द करेंगे। खानपान और योग पर ध्यान दें। यात्रा का योग बन सकता है।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
किसी जरूरी काम से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। सहकर्मियों के साथ आपकी मित्रता प्रगाढ़ होगी। सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
आप जिस काम को आसान मान रहे थे वो आपको परेशान करेगा। रिश्तेदारों के कारण कुछ तनाव हो सकता है। बोलचाल में अपशब्दों का प्रयोग न करें। विद्यार्थी करियर को लेकर लापरवाह हो सकते हैं।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
आज अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न बढ़ायें। बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय अधिक खर्च करेंगे। दोस्तों के साथ राजनीतिक विषयों को लेकर चर्चा हो सकती है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। किसी कार्य को औपचारिकता में न करें। शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनन्द लेंगे।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आयेगी, इसीलिये बिना माँगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। आज आप कोई नया काम शुरू करने से बचें।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
कार्यक्षेत्र में विरोधी कमजोर होंगे। बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुये नये कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभायेंगे।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
कार्यक्षेत्र में विशेषज्ञ लोगों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा। अनेक आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जायेंगे। जॉब इन्टरव्यू आदि में सम्मिलित हो रहे हैं तो सफलता अवश्य मिलेगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नये व्यापारिक अनुबन्ध कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। पिता के साथ चर्चा व उनका आशीर्वाद लेना उत्तम होगा। दाम्पत्य सम्बन्धों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध षड्यन्त्र कर सकते हैं। एक साथ अनेक कार्य सम्भालने पड़ेंगे। विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
पेट में जलन जैसी समस्या हो सकती है। ऑफिस में कार्यभार की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मुख्यमंत्री ने कृषि विपणन से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों का किया शिलान्यास-लोकार्पण

अब हर वर्ष आयोजित होगा मसाला कॉन्क्लेव-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान मसालों के उत्पादन और व्यापार का प्रमुख केंद्र होने के साथ ही मसालों की समृद्ध परंपरा के लिए विश्व विख्यात है। उन्होंने कहा कि राज्य में मसाला कॉनक्लेव का आयोजन हमारे मसाला उद्योग को नई दिशा व गति प्रदान करेगा। शर्मा ने कार्यक्रम में घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश में अब हर वर्ष मसाला कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा। साथ ही, इस संबंध में समिति का गठन भी किया जाएगा, जिससे राज्य के मसाला उत्पादकों एवं व्यापारियों को नई संभावनाओं और नए अवसरों का सृजन करने के लिए एक वैश्विक मंच मिल सके। शर्मा बिड़ला सभागार में आयोजित राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव-2025 में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में मसाला प्रसंस्करण उद्योग की अपार संभावनाएं है। राजस्थान जीरा उत्पादन में देश में पहले, मैथी एवं सौंफ उत्पादन में दूसरे और धनिया एवं अजवाइन उत्पादन में तीसरे स्थान पर है।

जीआई टैग से राज्य के मसालों को मिली विशिष्ट पहचान

शर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार ने कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के मसालों को विशिष्ट वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रमुख मसालों एवं अन्य कृषि उत्पादों को जीआई टैग दिलवाया जा रहा है। टैग मिलने से उत्पादकों और प्रसंस्करणकर्ताओं को मूल्य संवर्धन का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि एफपीओ को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राज्य की एफपीओ पॉलिसी भी तैयार की जा रही है। साथ ही, अब तक राज्य में 913 कृषक उत्पादक संगठनों का पंजीकरण किया जा चुका है।

अगले साल होगा 'ग्राम'

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा किसानों के कल्याण एवं समृद्धि के लिए कई नीतियां लाई गई हैं। कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति के तहत राज्य में 1 हजार 497 कृषि आधारित औद्योगिक इकाइयों को लगभग 630 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। साथ ही, कृषि आधारित उद्योगों एवं प्रसंस्करण इकाइयों में राज्य में करीब 3 हजार 504 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट से कृषि प्रसंस्करण के क्षेत्र में राज्य में करीब 44 हजार करोड़ रुपये का निवेश होना प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि प्रसंस्करण एवं आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने और निवेशकों के प्रोत्साहन हेतु अगले साल की शुरुआत में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) का आयोजन किया जाएगा।

कृषि प्रसंस्करण और विपणन प्रोत्साहन हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रसंस्करणकर्ताओं को एक ही स्थान पर प्रसंस्करण सें संबंधित सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य के विभिन्न जिलों के 39 स्थानों पर फूड पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही, मंडी यार्ड में विकास कार्य और किसानों को मंडी यार्डों तक अपनी उपज लाने की सुविधा के लिए संपर्क सड़कों का निर्माण भी करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 148 लाख पात्र फसल बीमा पॉलिसी धारक किसानों को 3 हजार 912 करोड़ रुपये का फसल बीमा क्लेम का भुगतान किया गया है तथा खरीफ 2025 में करीब 163 लाख फसल बीमा पॉलिसी सृजित हो चुकी है।

राज्य स्तरीय हिन्दी दिवस समारोह 14 को

आठ विधाओं के दस लेखकों को मिलेगा हिन्दी सेवा पुरस्कार-2025

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाषा एवं पुस्तकालय विभाग द्वारा हिन्दी के प्रचार-प्रसार और हिन्दी उन्नयन के लिए दिया जाने वाला 'हिन्दी सेवा पुरस्कार' इस वर्ष आठ विधाओं हिन्दी साहित्य (कथा); हिन्दी साहित्य (कथेतर); संविधान एवं विधि; विज्ञान, तकनीकी एवं अभियांत्रिकी; चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य (भारतीय चिकित्सा पद्धति सहित); कला, संस्कृति एवं पर्यटन; दर्शन, योग एवं अध्यात्म तथा जनसंचार, पत्रकारिता एवं सिनेमा में प्रदान किये जाएंगे।

स्कूल शिक्षा, भाषा एवं पुस्तकालय विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बताया कि यह पुरस्कार 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के अवसर पर सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय के मुख्य सभागार में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रदान किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष डॉ. कृष्ण कुमार कुमावत को उनके उपन्यास 'लक्ष्य', डॉ. मूलचन्द बोहरा को उनके शैक्षिक निबन्ध संग्रह 'समझ गए ना', डॉ. अनुपम चतुर्वेदी एवं डॉ. दीप्ति चतुर्वेदी को संयुक्त रूप से उनकी पुस्तक 'भारतीय राजनीतिक व्यवस्था', डॉ. पूर्णेन्दु घोष को 'वैज्ञानिक विचार द्वीपों के बीच सामाजिक काव्य पुलों का निर्माण', डॉ. हिमांशु भाटिया को 'सेरेब्रल पाल्सीः व्यथा, कथा एवं कानून', डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी को उनके यात्रा वृतान्त 'ओकुहेपा', डॉ. मनोज कुमार गट्टानी को उनकी पुस्तक 'मन सनातन' एवं विजय प्रकाश शर्मा विप्लवी व डॉ. कुंजन आचार्य को संयुक्त रूप से लिखी उनकी पुस्तक 'पत्रकार दीनदयाल उपाध्याय' के लिए सम्मानित किया जाएगा। शासन सचिव ने बताया कि प्रत्येक विधा में लेखक को पुरस्कार स्वरूप पचास हजार रूपये की नकद राशि दी जाएगी।

वैदिक ज्योतिषि के लिए दिल्ली में कुलदीप सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वैदिक ज्योतिष गुरुकुल ज्योतिष विज्ञान संस्थान दिल्ली के निदेशक सचिन लोहिया और अखिल भारतीय ज्योतिष महासंघ के अध्यक्ष डॉ. अरुण बंसल ने वैदिक ज्योतिषी और केपी विशेषज्ञ इंजीनियर कुलदीप शर्मा को वैदिक और केपी ज्योतिष में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगदान के लिए एवोरा बैंक्वेट्स हॉल, शकूरपुर, दिल्ली में ऑकल्ट शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया। दर्शकों ने शर्माजी के लिए तालियाँ बजाई और आनंद महसूस किया।

माधव विश्वविद्यालय

बालाजी भंडारे पर स्वास्थ्य सेवा का अनोखा संगम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय में बालाजी के भंडारे के अवसर पर एक विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर माधव विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित माधव होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा आयोजित किया गया, जो समाज सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है। शिविर में चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रतीक्षा सिंह और डॉ. आमिर के नेतृत्व में करीब 100 से अधिक मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त मॉडर्न चिकित्सा विभाग के डॉ. कोमल शर्मा और डॉ. सौरभ तिवारी (एम.बी.बी.एस.) ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं। अधिकांश मरीज त्वचा रोग, मौसमी संक्रमण और बच्चों में सामान्य बीमारियों से पीड़ित पाए गए। इसके अलावा बुखार, खांसी-जुकाम, पेट दर्द, कमर व घुटनों का दर्द, जोड़ों के रोग तथा महिला स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी परीक्षण किया गया। सभी मरीजों को निःशुल्क होम्योपैथिक दवाइयां वितरित की गईं। शिविर में कॉलेज के प्रशिक्षु छात्रों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई और आए हुए ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य परामर्श दिया। माधव विश्वविद्यालय के चांसलर हिम्मतसिंह देवल ने इस अवसर पर कहा कि हमारा उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है। आज आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर इस सोच का परिणाम है। 100 से अधिक मरीजों को उपचार और परामर्श देकर हमने ग्रामीण और वंचित वर्ग तक स्वास्थ्य सेवायें पहुँचाने का प्रयास किया है। विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट डॉ राजीव माथुर ने कहा कि माधव विश्वविद्यालय शिक्षा, पर्यावरण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में समाज हित के कार्य निरंतर करता हुआ आया है और भविष्य में भी इसी तरह के कार्य करता रहेगा। रजिस्ट्रार डॉ.भावेश कुमावत ने स्वास्थ्य दल की प्रशंसा करते हुए कहा कि गरीब और असहाय मरीजों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण जो लोग उपचार से वंचित रहते हैं, उनके लिए ये शिविर किसी वरदान से कम नहीं। होम्योपैथी विभाग की निदेशक डॉ. भारती देसाई ने इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्टाफ और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने पर जोर दिया।

पंचदिवसीय देव दर्शन यात्रा के समापन पर हुआ सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित पंचदिवसीय देवदर्शन यात्रा का भव्य समापन आज गढ़ परिसर स्थित श्री सीताराम जी के मंदिर में धर्ममय वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। पंचदिवसीय यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन कर दिव्य आशीर्वाद प्राप्त किया। समापन अवसर पर जनरल फैंसी फुटवियर स्टेशनरी व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन सैनी एवं पदाधिकारियों ने विप्र कल्याण बोर्ड की पूर्व उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी एवं प्रतिनिधि समूह का दुपट्टा एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि धर्मयात्रा केवल दर्शन का माध्यम नहीं, बल्कि यह आत्मशुद्धि और समाज को एक सूत्र में बाँधने का पवित्र अवसर है। समारोह में प्रमुख रूप से व्यापार मंडल उपाध्यक्ष अशोक सिंगोदिया, संगठन मंत्री कालूराम सैनी, प्रकाश जी सैनी, फाउंडेशन के प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, प्रदेश मंत्री ओमप्रकाश रीडर, व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नारायण लाल शर्मा, महामंत्री रामलाल शेरावत, चोमू तहसील अध्यक्ष अशोक रेवड़का, मुकेश लालानी, चौमू नगर अध्यक्ष डॉ सीताराम कुमावत प्रशासनिक अधिकारी रमाशंकर शर्मा, योगेश शर्मा, पुजारी दीपक शर्मा, महेंद्र गठाला, भगवान सहाय जाखड़, हरि शंकर सैनी सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

नेपाल जगत गुरू शिव शक्ति बाबा को मिला नेपाल कर्म श्री रत्न अलंकरण

जयपुर @ जागरूक जनता। अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा विश्व बन्धुत्व एकामहे, सत्यम् शिवम सुन्दरम्, की अवधारणा को मूर्त रूप देने पर नेपाल राष्ट्र के जगत गुरू श्री श्री 1008 सिद्ध पुरूष शिव शक्ति बाबा का राजस्थान की यात्रा पर आगमन होने पर मंच द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की पूर्व संध्या पर एक विशेष समारोह में नेपाल कर्म श्री रत्न अलंकरण से मंच के प्रेरणा स्त्रोत अतिथी डॉ. जितेन्द्र सिंह पूर्व केबीनेट मंत्री निरंजन आर्य पूर्व मुख्य सचिव राज सरकार, प्रहलाद राय टांक अध्यक्ष यादे माटी कला बोर्ड राज सरकार, डॉ. हुकुम चन्द गणेशिया, सवेन्द्रजीत सिंह, डॉ. अंकित गॉधी, डॉ.ए. पी. सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता, द्वारा उनको सम्मानीत किया गया है। मंच के बोर्ड सलाहकार सदस्य यवराज आचार्य द्वारा बताया गया कि नेपाल राष्ट्र के जगत गुरू का सम्मान होने पर नेपाल के सभी प्रदेशो में विशेष कार्यक्रम में नागरिक अभिनन्दन भी रखा जायेगा। मंच के मुख्य सलाहकार डॉ. कुलदीप प्रसाद शर्मा एडवोकेट ने बताया कि नेपाल राष्ट्र में दिनांक 28 व 29 दिसम्बर को होने वाले भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी पूर्व प्रधानमंत्री की जयन्ति समारोह का आयोजन नेपाल राष्ट्र के जगत गुरू शिव शक्ति बाबा क सानिध्य में आयोजित किया जायेगा। जगत गुरू शिव शक्ति बाबा को सनातन संस्कृति, व भारत-नेपाल की वैदिक कालीन संस्कृति को बढावा देने पर नेपाल कर्म श्री रत्न अंलकरण से नवाजा गया यह नेपाल राष्ट्र में पहली बार सनातन को बढावा देने पर दिया गया।

देवदर्शन यात्रा कर मनाया जन्मदिन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित पंचदिवसीय देवदर्शन यात्रा के दौरान विप्र कल्याण बोर्ड की पूर्व उपाध्यक्ष मंजू शर्मा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर पवित्र धामों—मेहंदीपुर बालाजी, गोवर्धन, अयोध्या, काशी विश्वनाथ, प्रयागराज एवं चित्रकूट—की यात्रा कर आध्यात्मिक वातावरण में जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर फाउंडेशन के प्रतिनिधि समूह ने बड़े हर्ष और उल्लास के साथ जन्मदिवस उत्सव मनाया। फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने बताया कि शर्मा ने अपने जन्मदिन को आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान करते हुए सनातन संस्कृति के उत्थान और समाज में धार्मिक चेतना जागृत करने के लिए यह देवदर्शन यात्रा की।" कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नारायण लाल शर्मा, व्यापार प्रकोष्ठ महामंत्री रामलाल शेरावत, प्रशासनिक अधिकारी रमाशंकर शर्मा, महेंद्र मठाला, भगवान सहाय जाखड़, हरि शंकर सैनी आदि गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

आरती का राज्य स्तर पर चयन, जीता रजत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सीकर। बीते दिनों 14 वर्षीय जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सिमारला कोटाड़ी श्रीमाधोपुर की कक्षा 6 की छात्रा आरती बरसड़ा ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक जीतने के साथ ही, राज्य स्तर पर चयन किया गया है। राजकीय विद्यालय में खंड विकास अधिकारी सुनील ढाका तथा संस्था प्रधान प्रियंका और खेल प्रशिक्षक पुष्पेंद्र सिंह चौहान तथा समस्त स्टाफ के अलावा ग्राम वासियों ने बच्ची का स्वागत किया और उज्जवल भविष्य की कामना की।

साल में एक बार इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) भरना ज़रूरी है, लेकिन हममें से ज्यादातर लोग आखिरी तारीख करीब आने पर ही जागते हैं। आमतौर पर 31 जुलाई तक ITR फाइल करना होता है लेकिन इस बार फाइनैंशल ईयर 2024-25 (असेसमेंट ईयर 2025-26) के लिए ITR दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर है। इसलिए अब देर न करें। इनकम टैक्स रिटर्न कैसे फाइल करें, इस बारे में एक्सपर्ट्स से बात करके जानकारी दे रहे हैं

बाकी दिन 06

काउंटडाउन चालू जल्दी भरें ITR

ITR किसके लिए और क्यों भरना ज़रूरी, इसे कैसे भरें, यहां जानें:

क्या होता है इनकम टैक्स रिटर्न

ITR वह फॉर्म है, जिसमें हम सरकार को बताते हैं कि सालभर में हमारी कितनी इनकम हुई, उस इनकम पर कितना टैक्स दिया या देना है और हमें टैक्स में कोई रिफंड मिलना है या नहीं। सरकार को यह जानकारी इसलिए चाहिए होती है ताकि सही टैक्स लिया जा सके और जो लोग ज्यादा टैक्स भर चुके हैं, उन्हें रिफंड मिल सके।

- **क्यों ज़रूरी है भरना**
  कानूनन तय सीमा से ज्यादा इनकम पर ITR दाखिल करना ज़रूरी है। इससे सरकार को हमारी इनकम और टैक्स का सही ब्यौरा मिलता है। सरकार को सही टैक्स मिलने से उसका इस्तेमाल देश के डिवेलपमेंट में किया जाता है।

इसे भरने से क्या हैं फायदे

- **लोन, क्रेडिट कार्ड में मदद:** बैंक लोन (होम, पर्सनल, कार) व क्रेडिट कार्ड के लिए ITR एक ज़रूरी डॉक्यूमेंट है।
- **वीज़ा में आसानी:** वीज़ा आवेदन के समय ITR से हमारी फाइनैंशल स्थिति की जानकारी मिलती है।
- **टैक्स हिस्ट्री बनती है:** हमारी टैक्स प्रोफाइल मजबूत होती है जो भविष्य में फाइनैंशल डीलिंग्स के लिए फायदेमंद है।
- **पैनल्टी और कानूनी झंझट से बचाव:** समय पर ITR भरने से जुर्माना, नोटिस जैसी दिक्कतों से बचा जा सकता है।

किसके लिए ITR भरना ज़रूरी

जिनकी इनकम टैक्सेबल लिमिट से ज्यादा है

उम्र	इनकम
60 साल से कम	2.50 लाख रुपये से ज्यादा
60-80 साल	3 लाख रुपये से ज्यादा
80 साल से ज्यादा	5 लाख रुपये से ज्यादा

(यह लिमिट Old Tax Regime के लिए है। New Tax Regime में 3 लाख रुपये से ज्यादा इनकम पर ITR दाखिल करना जरूरी है। उम्र के आधार पर छूट नहीं है।)

- जिनकी इनकम पर TDS कटा है (चाहे इनकम टैक्सेबल लिमिट से कम ही क्यों न हो, TDS रिफंड पाने के लिए)।
- करंट अकाउंट में सालभर में 1 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा जमा होने पर।
- जिनकी विदेश में संपत्ति या विदेश में बैंक अकाउंट है।
- 2 लाख रुपये से ज्यादा विदेशी यात्रा पर खर्च किया है।
- 1 लाख रुपये से ज्यादा बिजली बिल आया है।

ITR से कैसे जुड़ा है TDS

TDS यानी Tax Deducted at Source और ITR दोनों का सीधा संबंध है। जब भी हमें सैलरी, बैंक ब्याज या कोई दूसरी इनकम मिलती है तो उस पर टैक्स का एक हिस्सा पहले ही काटकर सरकार को जमा कर दिया जाता है। इसे TDS कहते हैं। साल के आखिर में जब ITR भरते हैं तो उसमें अपनी कुल इनकम, खर्च और पहले से कटे हुए TDS की जानकारी देते हैं। अगर सालभर में लिमिट से ज्यादा TDS काटा गया है तो ITR भरने पर हमें वह टैक्स रिफंड में मिलता है।

सबसे पहले करें रजिस्ट्रेशन

अगर आप खुद पहली बार ITR दाखिल कर रहे हैं तो सबसे पहले इनकम टैक्स के पोर्टल पर रजिस्टर करना जरूरी है। इसके लिए ऑफिशल पोर्टल **eportal.incometax.gov.in** पर जाएं। यहां ऊपर राइट में Register पर क्लिक करें। इसके बाद वहां मांगी जाने वाली जानकारी को एक-एक करके भरें। यूजर ID में अपना Permanent Account Number (PAN) दर्ज करना होगा।

कौन-सा ITR फॉर्म भरें?

वैसे तो ITR भरने के लिए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के पोर्टल पर ITR-1 से ITR-7 तक 7 कैटिगरी में फॉर्म मौजूद हैं। लेकिन सैलरी पाने वालों, सेल्फ-एंप्लॉइड लोगों और बिज़नेस करने वालों के लिए आमतौर पर शुरू के 1 से 4 फॉर्म ही जरूरी होते हैं। जानते हैं आपके लिए कौन-सा फॉर्म सही है:

ITR-1

कौन भर सकता है: भारतीय निवासी हो, कुल इनकम 50 लाख रुपये या उससे कम हो। इनकम के सोर्स- सैलरी, पेंशन, एक हाउस प्रॉपर्टी से इनकम (जैसे किराया)। दूसरे सोर्स जैसे- FD, सेविंग्स अकाउंट से इंट्रेस्ट, फैमिली पेंशन, एग्रीकल्चर इनकम 5000 रुपये तक हो। इस बार जिनका लॉन्गटर्म कैपिटल गेस 1.25 लाख तक हो वे भी इस फॉर्म को भर सकते हैं। इससे पहले ITR-2 या ITR-3 भरना होता था।

ITR-2

वह व्यक्ति (Individual) या Hindu Undivided Family (HUF) जिनकी इनकम ITR-1 के दायरे से बाहर हो, पर बिज़नेस या प्रफेशन से इनकम नही हो। इनकम सोर्स- सैलरी, पेंशन, एक से ज्यादा हाउस प्रॉपर्टी। कैपिटल गेस, विदेश से इनकम, विदेश में प्रॉपर्टी। किसी कंपनी के डायरेक्टर या अनलिस्टेड कंपनी के शेयरहोल्डर। एग्रीकल्चर इनकम 5000 से ज्यादा हो। इसमें NRI भी शामिल हैं।

ITR-3

वह व्यक्ति (Individual) या Hindu Undivided Family (HUF) जिनकी इनकम बिजनेस या प्रफेशन से होती है। जैसे- डॉक्टर, वकील, आर्किटेक्ट, CA, फ्रीलांसर आदि। किसी फर्म में पार्टनर है और फर्म का रिटर्न ITR-5 से दाखिल किया जाता हो। इनकम के सोर्स- सैलरी, पेंशन, एक से ज्यादा हाउस प्रॉपर्टी से इनकम, कैपिटल गेस। दूसरे सोर्स- इंट्रेस्ट, डिविडेंड आदि। विदेश में प्रॉपर्टी या विदेश से इनकम।

ITR-4

वह भारतीय निवासी या Hindu Undivided Family (HUF) या फर्म (LLPs यानी लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप को छोड़कर) जो Presumptive Income Scheme के तहत इनकम दिखाती है यानी यह उनके लिए है जो अपनी इनकम का अनुमान लगाकर टैक्स भरते हैं, अकाउंट का डिटेल्ड लेखा-जोखा नही देते। यह जरूरी है कि इनकम 50 लाख से कम होनी चाहिए।

ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स

1. Form 16

सैलरीड एंप्लॉई के लिए एंप्लॉयर सालभर में सैलरी से जो TDS काटता है, उसकी पूरी जानकारी इसमें मिलती है।
इसके दो हिस्से होते हैं:
Part A: इसमें कुल इनकम और उस पर काटे गए TDS की जानकारी होती है। यह जानकारी 26AS में भी होती है।
Part B: सैलरी ब्रेकअप, छूट (Exemptions), कटौतियां (Deductions) और कुल टैक्सेबल इनकम लिखी होती है।

2. फॉर्म 16A

इसमें नॉन सैलरी इनकम पर TDS की जानकारी होती है। जैसे- बैंक की FD पर इंटरेस्ट से TDS काटा गया हो। TDS काटने वाला बैंक या संस्था यह फॉर्म जारी करती है।

3. फॉर्म 16B

प्रॉपर्टी के TDS की जानकारी होती है। खरीदार जब प्रॉपर्टी की कीमत पर TDS काटता है तो यह फॉर्म बेचने वाले को देता है। यह 50 लाख से ज्यादा की प्रॉपर्टी पर लागू होता है।

4. फॉर्म 16C

अगर किराएदार ने 50 हजार रुपये माह या ज्यादा के किराए पर TDS काटा है तो वह मकान मालिक को यह फॉर्म देता है। **कहां से मिलेंगे ये फॉर्म:** ऊपर बताए फॉर्म TDS से जुड़े सर्टिफिकेट हैं। इनके लिए TDS काटने वाले डिडक्टर यानी एंप्लॉयर, बैंक, कोई कंपनी, प्रॉपर्टी खरीदार या किराएदार से संपर्क करें। कानूनन वे इसे देने को बाध्य हैं।

5. फॉर्म 26AS

यह इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर मिलता है। इसमें आपके PAN से जुड़े सभी टैक्स, सैलरी, बैंक FD, किराया या प्रफेशनल पेमेंट पर कटे TDS का ब्यौरा होता है। इसके अलावा TCS (Tax Collected at Source), आपकी ओर से भरे गए अडवांस टैक्स या सेल्फ-असेसमेंट टैक्स, सरकार से मिले टैक्स रिफंड और बैंक या वित्तीय संस्थान द्वारा रिपोर्ट किए गए बड़े ट्रांजैक्शन की जानकारी भी इसमें होती है। ITR भरने से पहले फॉर्म 26AS देखना जरूरी है ताकि यह पक्का हो सके कि जो टैक्स आपकी इनकम से कटा है वह सही तरीके से सरकार के पास जमा हुआ है या नही।

26AS ऐसे डाउनलोड करें

- **eportal.incometax.gov.in** पर PAN से Login करें।
- ऊपर नीले रंग की पट्टी पर लिखे e-file पर क्लिक करें।
- अब नीचे एक टैब खुलेगी। यहां Income Tax Returns पर जाएं तो राइट में और ऑप्शन आएंगे। यही View form 26AS दिखेगा, उस पर क्लिक करें।
- ATTENTION... लिखा बॉक्स खुलेगा। I agree... के बगल में बने बॉक्स पर टिक कर Proceed पर क्लिक करें।
- सामने विंडो पर Click View Tax Credit (Form 26AS/ Annual Tax Statement) लिखा होगा। इस पर क्लिक करें।
- नए पेज पर Assessment Year (2025-26) और View as (Text) सिलेक्ट करें और फिर Export as PDF पर क्लिक करें। अपने डेस्कटॉप पर सेव करके देख सकते हैं।

6. AIS

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट AIS यानी एनुअल इनफॉर्मेशन स्टेटमेंट में किसी शख्स की सालभर की सारी फाइनैंशल ऐक्टिविटीज बताता है। इसमें बैंक अकाउंट में जमा और निकासी, FD और RD पर मिला इंट्रेस्ट, शेयर, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड जैसी इनवेस्टमेंट ऐक्टिविटीज़, प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त, विदेश से आने वाली या बाहर भेजी गई रकम जैसी जानकारियां शामिल होती हैं। AIS से पता चलता है कि सरकार के पास हमारी कितनी फाइनैंशल जानकारियां पहले से दर्ज हैं ताकि ITR भरते समय कोई जानकारी छूटे नहीं।

7. TIS

TIS यानी टैक्सेबल इनफॉर्मेशन समरी में टैक्स जमा कराने वाले की जानकारी कम शब्दों में दर्ज होती है। असल में यह AIS का आसान और छोटा वर्जन है। इसमें इनकम, टैक्स और दूसरे जरूरी आंकड़े इतने सरल रूप में होते है कि ITR फाइल करना आसान हो जाता है।

AIS, TIS ऐसे हासिल करें

- eportal.incometax.gov.in पर Login करें।
- ऊपर नीले रंग की पट्टी पर लिखे AIS पर क्लिक करें।
- सामने खुले नए पेज पर राइट में ऊपर की तरफ Download AIS/TIS (F.Y.2024-25) लिखा होगा। इस पर क्लिक करें। सामने खुले पॉपअप पर 3 ऑप्शन दिखाएगा। इससे AIS या TIS डाउनलोड करें।
- डाउनलोड हुई PDF फाइल को खोलने के लिए पासवर्ड भरना होगा। इसके लिए PAN (Lower case) और जन्मदिन की तारीख की जरूरत होगी। उदाहरण के लिए अगर आपका PAN AAAAA1234A है और जन्मदिन की तारीख 21 जनवरी 1991 है तो पासवर्ड aaaaa1234a21011991 होगा।

ये डॉक्यूमेंट भी अहम

इनकम और डिडक्शंस से जुड़ी सभी जानकारियों के लिए बैंक स्टेटमेंट, होम और एजुकेशन लोन, बच्चों की ट्यूशन फीस की रसीदें, लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम की रसीदें, डोनेशन की रसीदें आदि भी पास में होनी चाहिए।

नोट: *ऊपर बताए गए फॉर्म को ITR भरते वक्त अपलोड करने की जरूरत नही होती। उनमें मौजूद जानकारियां पहले से ही पोर्टल पर होती हैं। ITR भरते वक्त ये फॉर्म इसलिए चाहिए ताकि पोर्टल पर पहले से मौजूद जानकारी और इन फॉर्म में दी गई जानकारियों का मिलान किया जा सके।*

टैक्स स्लैब जानना ज़रूरी

ITR फाइल करते समय यह एक अहम चरण होता है। इस वक्त देश में दो तरह के टैक्स स्लैब लागू हैं। ओल्ड टैक्स रिजीम और न्यू टैक्स रिजीम। रिटर्न भरते समय पोर्टल पर न्यू टैक्स रिजीम ही डिफॉल्ट दिखाई देगी। अगर आप ओल्ड टैक्स रिजीम के तहत रिटर्न फाइल करना चाहते हैं तो पोर्टल पर इसे बदलने का ऑप्शन मिलेगा।

Old Tax Regime को चुनें, अगर

- आपने LIC, PPF, मेडिकल इंश्योरेंस (80C, 80D) जैसी योजनाओं में निवेश किया है और HRA, LTA, होम लोन ब्याज जैसी छूट लेना चाहते हैं।
- इनकम ज्यादा है और आप निवेश व खर्चों के जरिए टैक्स बचाने की प्लानिंग कर सकते है।

उदाहरण: *अगर सैलरी 10-12 लाख है और आप 3-4 लाख तक की छूट ले सकते हैं तो Old Regime में टैक्स काफी कम हो सकता है।*

New Tax Regime को चुनें, अगर

- आपकी कमाई सैलरी या बिज़नेस से है, लेकिन आपने ज्यादा निवेश नही किया है।
- आप 80C (LIC, PPF, ELSS), 80D (मेडिकल इंश्योरेंस), HRA, होम लोन ब्याज जैसी टैक्स छूट ज्यादा नही लेते।
- आप आसान और बिना झंझट टैक्स सिस्टम चाहते हैं।
- अगर आपकी टैक्सेबल इनकम 7 लाख तक है New Regime में Rebate की वजह से टैक्स जीरो हो जाएगा।

Old Tax Regime Income Tax Rate

2.5 लाख (कोई टैक्स नहीं)	0%
2.5 लाख-5 लाख तक	5%
5 लाख-10 लाख तक	20%
10 लाख से ऊपर	30%

यहां पर 80C (LIC, PPF, ELSS, NSC आदि), 80D (मेडिकल इंश्योरेंस), HRA, LTA, होम लोन इंटरेस्ट जैसी कई deductions/ exemptions ली जा सकती है।

Rebate सेक्शन 87A: टैक्सेबल इनकम 5 लाख रुपये तक होने पर पूरा टैक्स माफ।

New Tax Regime Income Tax Rate

3 लाख (कोई टैक्स नहीं)	0%
3 लाख-6 लाख तक	5%
6 लाख-9 लाख तक	10%
9 लाख-12 लाख तक	15%
12 लाख-15 लाख तक	20%
15 लाख से ऊपर	30%

यहां ज्यादातर deductions/ exemptions हटा दी गई है। केवल Standard Deduction (75,000 तक AY 2025-26 में) और NPS Employer Contribution जैसी कुछ ही राहत मिलती है।

Rebate सेक्शन 87A: टैक्सेबल इनकम 7 लाख तक होने पर पूरा टैक्स माफ।

ITR भरने के 5 ज़रूरी स्टेप्स

स्टेप 1 eportal.incometax.gov.in पर जाएं। Login के नीचे User ID दाखिल करने को कहेगा। यहां PAN डालें और Continue पर क्लिक करें।
- नए पेज पर Please confirm... लिखा आएगा। इसके बगल में टिक करें। इसके नीचे Password डालकर Continue पर क्लिक करें।
- अब जो नया पेज खुलेगा उसमें Income Tax Return (ITR) लिखा होगा। यहां Assessment year चुनना होगा। Select पर क्लिक करके 2025-26 (Current A.Y.) चुनें। Mode में Online चुनें । Continue पर क्लिक करें।

स्टेप 2 नए पेज पर लिखे Start New Filing पर क्लिक करें।
- नए पेज पर Individual मार्क होगा। Continue पर क्लिक करें।
- अब ITR Form चुनने को कहेगा। इसमें 1 से 4 तक के ऑप्शन होंगे। अपने लिए सही Form चुनें। हमने ITR-1 चुना और Proceed With ITR-1 पर क्लिक किया।
- नए पेज पर अलर्ट का पॉपअप आएगा। OK पर क्लिक करें। सामने खुले पेज पर Let's Get Started पर क्लिक करें। नए पेज पर पूछा जाएगा ITR क्यों फाइल करना चाहते है। इसमें 3 ऑप्शन होंगे। सबसे पहले वाला सिलेक्टिड होगा, अब Continue पर क्लिक करें।

स्टेप 3 नए पेज पर अलर्ट का एक पॉपअप आएगा। OK करें। अब ITR फाइल करने के लिए 5 सेक्शन कन्फर्म करने होंगे।
- इसमें पहला Personal Information, दूसरा Gross Total Income, तीसरा Total Deductions, चौथा Tax Paid, पांचवां Verify your tax Liabilty Details होगा। सभी को एक-एक कर चेक करें और भरते जाएं।
- ज्यादातर जानकारियां आपके एंप्लॉयर/कंपनी, बैंक आदि की ओर से पहले से दिए डेटा के आधार पर भरी दिखेंगी। आपको सिर्फ अपने पास मौजूद डॉक्यूमेंट्स से उनका मिलान करना है। गलत होने पर Edit पर क्लिक कर सुधार करें।

नोट: *पहले सेक्शन में नीचे पूछा जाएगा कि Old Tax Regime या New Tax Regime किसमें आगे बढ़ना है। New Tax Regime डिफॉल्ट है। अगर Old के साथ जाना है तो उस पर क्लिक करके आगे बढ़ें।*

स्टेप 4 *पांचों सेक्शन भरने के बाद नीचे Proceed To Verification पर क्लिक करना होगा।* नए पेज पर सबसे नीचे आकर Preview And Submit Your Return का ऑप्शन आएगा। इस पर क्लिक करें।
- नए पेज पर declaration को स्वीकार करना होगा। नीचे Capacity में Self को चुनें और Place में जगह का नाम भरें। नीचे आने पर Proceed To Validation पर क्लिक करें।
- नए पेज पर Preview पर क्लिक करने पर आपकी ITR का Preview दिखेगा। नीचे Proceed To Validation पर क्लिक करें। नए पेज पर भी Proceed To Validation पर क्लिक करें।

स्टेप 5 अब यहां ITR वेरिफिकेशन करने के लिए 3 ऑप्शन होंगे। इसमें सबसे पहले E-Verify Now को चुनें। नीचे Continue पर क्लिक करें।
- अब पूछा जाएगा कि कैसे वेरिफाई करना है। पहला ऑप्शन OTP on mobile number registered with Aadhaar चुनें।
- एक पॉपअप आएगा। इसमें टिक करके Generate Aadhaar OTP पर क्लिक करें। इस पर क्लिक करने पर आधार कार्ड के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर OTP जाएगा जिसे सामने स्क्रीन पर भरें। नीचे Validate पर क्लिक करें। नए पेज पर Submit पर क्लिक करें। इसी के साथ ITR Submit हो जाएगी।
- अब जो नया पेज खुलेगा उसमें Proceed पर क्लिक करें। इसके बाद खुले नए पेज से आप ITR की Receipt डाउनलोड कर सकते है।

ये तारीखें न भूलें

15 सितंबर	आम आदमी के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख
31 अक्टूबर	वे कंपनियां, फर्म जिनके अकाउंट का ऑडिट होता है उनके टैक्स फाइलिंग की आखिरी तारीख
30 नवंबर	उन बिजनेस के लिए आखिरी तारीख जिन्हें ट्रांसफर प्राइसिंग रिपोर्ट्स की दरकार हो
31 दिसंबर	लेट या रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख

इस बार क्या-क्या हैं बदलाव

- **New tax regime** में standard deduction को बढ़ाकर 75,000 रुपये किया गया है जो पहले 50,000 था।
- **87A Rebate** का नया नियम आया है। पहले 5 लाख तक की आय (Old regime) और 7 लाख तक की आय (New regime) पर टैक्स जीरो हो सकता था। लेकिन 1 अप्रैल 2025 से अब यह छूट स्पेशल रेट वाली इनकम (जैसे शेयर बेचने से होने वाले शॉर्ट टर्म या लॉन्ग टर्म कैपिटल गेस) पर नही मिलेगी।
- लॉन्ग टर्म कैपिटल गेस अगर 1,25,000 रुपये तक है तो फॉर्म ITR-1 या ITR-4 में भी उसकी जानकारी दे सकते हैं। पहले की तरह अब ITR-2 या ITR-3 की ज़रूरत नही है।
- **ITR-2 और** ITR-3 में 23 जुलाई 2024 के पहले और बाद के कैपिटल गेस को अलग-अलग रिपोर्ट करना होगा।
- **Assets & Liabilities** की रिपोर्टिंग की नई लिमिट दी गई है। पहले 50 लाख से ज्यादा की संपत्ति पर डिटेल्स देनी होती थी। अब लिमिट बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये कर दी गई है।

ITR भरने के 3 तरीके

- **खुद भरें:** यह सबसे अच्छा तरीका है कि भारत सरकार के इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के ई-फाइलिंग पोर्टल eportal.incometax.gov.in पर जाकर खुद ITR फाइल करें।
- **प्रफेशनल के जरिए:** अगर आपको यह मुश्किल लगता है तो तय फीस देकर CA/CS या किसी दूसरे टैक्स प्रफेशनल से भी ITR भरवा सकते हैं।
- **ऑनलाइन प्लैटफॉर्म:** ITR भरने के लिए कुछ ऑनलाइन प्लैटफॉर्म भी हैं जो अपनी फीस लेकर ITR भर सकते है। कुछ ऑनलाइन प्लैटफॉर्म यहां बताए गए है।
- **ClearTax:** cleartax.in
- **India Filings:** indiafilings.com
- **Tax2win:** tax2win.in
- **Tax Buddy:** taxbuddy.com

नोट: *कुछ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, प्राइवेट वेबसाइट से ITR भरने पर पर्सनल डेटा की प्राइवेसी खत्म होने का जोखिम हो सकता है।*

ITR भरते समय इन गलतियों से बचें

- **AY-FY की गड़बड़ी:** हमेशा सही Assessment Year चुनें। उदाहरण: अगर इनकम FY 2024-25 की है तो AY 2025-26 चुनना होगा। कई लोग FY (फाइनैंशल ईयर) और AY (असेसमेंट ईयर) को मिलाकर गलत साल चुन लेते हैं।
- **ITR फॉर्म का कन्फ्यूजन:** ITR-1 से ITR-4 तक के अलग-अलग फॉर्म हैं। अपनी इनकम के प्रकार के अनुसार सही फॉर्म चुनें। गलत फॉर्म से रिटर्न रिजेक्ट हो सकता है।
- **गलत PAN/आधार/बैंक डिटेल:** PAN, आधार नंबर और बैंक डिटेल्स बिलकुल सही भरें। छोटी-सी गलती से भी रिफंड रुक सकता है या ITR प्रोसेस में देरी हो सकती है।
- **PAN-आधार लिंक न करना:** अगर PAN और आधार लिंक नही है तो ITR भर ही नही पाएंगे।
- **सभी इनकम न दिखाना:** सिर्फ सैलरी ही नही, ब्याज, किराया, कैपिटल गेस या फ्रीलांसिंग से मिली इनकम भी जोड़ें। छिपाने से बाद में नोटिस आ सकता है।
- **26AS/AIS/TIS न मिलाना:** ITR भरने से पहले इन फॉर्म्स से मिलान करें। बैंक, नौकरी और निवेश से मिली जानकारी सरकार के पास पहले से होती है।
- **डिडक्शन का गलत दावा:** 80C, 80D, HRA, LTA जैसी छूट के लिए सही डॉक्यूमेंट होना जरूरी है। झूठा दावा करने पर पेनल्टी लग सकती है।
- **ITR वेरिफिकेशन भूलना:** रिटर्न भरने के बाद e-Verify जरूर करें। ऐसा न करने पर ITR मान्य नही होता।

वक्त पर ITR न भरने के नुकसान

लेट फीस

- **1000 रुपये**- अगर इनकम 5 लाख रुपये तक है तो
- **5000 रुपये**- अगर इनकम 5 लाख रुपये से ऊपर है तो

(ध्यान रखें कि अगर इनकम टैक्सेबल लिमिट से कम है तो लेट फीस नही लगेगी।)

इंटरेस्ट

- देरी से ITR फाइल करने पर बकाया टैक्स पर 1% हर महीने इंटरेस्ट देना पड़ता है।

लॉस कैरी-फॉरवर्ड का नुकसान

- अगर आपके बिजनेस या इनवेस्टमेंट में इस साल लॉस हुआ है तो समय पर ITR भरने से ही उस लॉस को अगले साल में एडजस्ट/कैरी-फॉरवर्ड कर सकते हैं। लेट फाइल करने पर यह सुविधा खत्म हो जाती है।

रिफंड में देरी

- देरी से भरने पर TDS रिफंड भी लेट मिलता है।

नोटिस और केस

- इनकम टैक्स डिपार्टमेंट नोटिस भेज सकता है। बार-बार डिफॉल्ट करने पर केस भी हो सकता है।

लोन और वीजा में दिक्कत

- होम लोन, कार लोन या वीजा के लिए ITR को अहम डॉक्यूमेंट माना जाता है। समय पर ITR न भरने से लोन अप्रूवल और वीजा प्रोसेस में मुश्किलें आ सकती हैं।

रणथम्भौर-सरिस्का टाइगर रिजर्व में चलेंगी इलेक्ट्रिक बसें

पहले चरण में 80 बस खरीदने की तैयारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। प्रदेश के टाइगर रिजर्व क्षेत्र स्थित धार्मिक स्थलों पर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और वन क्षेत्र में प्रदूषण को कम करने के लिए राज्य सरकार ने एक नई पहल शुरू की है। धार्मिक स्थलों पर सरकार मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए ई-बसों का संचालन शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए पहले चरण में प्रदेश के दो टाइगर रिजर्व में इस प्रकार की व्यवस्था को लागू किया जाएगा। इसमें रणथम्भौर का त्रिनेत्र गणेश मंदिर और अलवर के सरिस्का स्थित पाण्डुपोल मंदिर शामिल है। इस संचालन से वन्यजीवों को शोरगुल से बचाया जा सकेगा। साथ ही, पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

आगामी सीजन से होगी शुरू

वन अधिकारियों ने बताया कि विभाग की मंशा गणेश धाम से जोगी महल गेट तक सवारी सिस्टम के आधार पर इन बसों का संचालन शुरू करने की है। इससे पेट्रोल और डीजल के वाहनों से होने वाला प्रदूषण भी कम होगा।

80 बसें खरीद रही सरकार

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सरकार की ओर से 80 बसें खरीदी जा रही हैं। इनमें से 40 बसों का संचालन त्रिनेत्र गणेश मंदिर तक और 40 बसों का संचालन सरिस्का के पाण्डुपोल मंदिर तक किए जाने की योजना है। इनके संचालन का जिम्मा राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम को सौंपा है।

पहले भी बनी थी ई-बसें चलाने की योजना

बसों के रखरखाव के लिए सरकार ने निजी फर्म के साथ करार किया है। रणथम्भौर में इन बसों का संचालन गणेश धाम से जोगीमहल तक करने की योजना है। हालांकि पूर्व में भी एक बार इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की योजना बनी थी, लेकिन यह योजना परवान नहीं चढ़ सकी।

शांतनु जुगतावत को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, दिल्ली का वरिष्ठ लोक अभियोजक नियुक्त किया गया

बालोतरा @ जागरूक जनता। केंद्र के गृह मंत्रालय ने शांतनु जुगतावत को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की दिल्ली क्षेत्रीय इकाई के लिए वरिष्ठ लोक अभियोजक नियुक्त किया है। वे नारकोटिक्स से जुड़े मामलों में अभियोजन का काम देखेंगे, जांच के दौरान कानूनी सलाह देंगे और संबंधित मुकदमों की निगरानी करेंगे। बालोतरा जिले के पारलु गांव के रहने वाले शांतनु जुगतावत, वर्तमान में राष्ट्रीय जांच एजेंसी के लिए भी विशेष लोक अभियोजक के तौर पर कार्यरत हैं। इससे पहले, वह राजस्थान सरकार के वित्त मंत्रालय के स्थायी परामर्शदाता अधिवक्ता के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

दूसरे वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन का इवेंट पोस्टर, रेस डे जर्सी लॉन्च

21 सितंबर को होने वाली मैराथन के लिए पंजीकरण जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़/उदयपुर। दुनिया के सबसे बड़े जिंक उत्पादक और शीर्ष 5 चाँदी उत्पादकों में से एक हिन्दुस्तान ज़िंक लिमिटेड ने 21 सितंबर, को आयोजित होने वाली दूसरी वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन के शुभारंभ की घोषणा के साथ समुदाय को कुपोषण से बचाव हेतु प्रतिबद्धता को दोहराया। इस ऐतिहासिक आयोजन के उपलक्ष्य में, टेक्नोलॉजी के साथ वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन के डिजिटल लॉन्च के बाद आधिकारिक पोस्टर और जर्सी का अनावरण किया गया - यह अपनी तरह की पहली पहल है जिसने उदयपुर के सबसे बहुप्रतीक्षित मैराथन में रन फॉर जीरो हंगर के नेक उद्धेश्य से उपस्थित अतिथियों को रूबरू कराया। यह पोस्टर प्रतिभागियों को अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की पहल, नंद घर द्वारा चलाए जा रहे रन फॉर जीरो हंगर अभियान का समर्थन करने के लिए प्रेरित करेगा, जिसका उद्देश्य भारत में कुपोषण को खत्म करना है। इस कार्यक्रम में रेस-डे जर्सी का भी अनावरण किया गया, जिसे नीले, नारंगी और गुलाबी जैसे जीवंत रंगों में डिजाइन किया गया है। ये रंग समावेशिता, ऊर्जा और एकता का प्रतीक हैं, जो मैराथन की भावना को दर्शाते हैं। इस उद्घाटन समारोह में मुख्य वन संरक्षक उदयपुर सुनील छिद्री, उप वन संरक्षक मुकेश सैनी, डीटीओ नीतिन बोहरा हिन्दुस्तान जिंक़ के सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक अरुण मिश्रा और एनीबडी कैन रन के डॉ. मनोज सोनी ने मैराथन जर्सी और पोस्टर के डिजिटल लॉन्च के बाद अनावरण किया। इस अवसर पर हिन्दुस्तान ज़िंक के सीएसआरओ मुनीश वासुदेवा, सीओओ किशोर एस, हिन्दुस्तान ज़िंक एवं वेदांता ग्रुप सीएसआर हेड अनुपम निधि, हेड कार्पोरेट कम्यूनिकेशन मैत्रेयी सांखला सहित हिन्दुस्तान ज़िंक के अधिकारी एवं दौड के सहभागी उपस्थित थे। पंजीकरण के लिए ttps://www.townscript.com/e/vedanta-zinc-city-half-marathon-2025 लिंक पर क्लिक करें।

जे.के. सीमेन्ट परिसर में गणपतिजी की शोभायात्रा व विसर्जन सम्पन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। जे.के.सीमेन्ट परिसर के मंगल मण्डप में ग्यारह दिवसीय गणेषोत्सव अत्यन्त उत्साह से धार्मिक व आध्यात्मिक आयोजनों पूर्वक मनाया गया। आयोजन की कड़ी में अनन्त चतुर्दशी के पावन पर्व पर प्रातःवेला में गणपतिजी की वैदिक अनुष्ठान पूर्वक विशिष्ट पूजा अर्चना की गयी। अपरौ में हवन-पूर्णाहुति एवं महाआरती में बड़ी संख्या में कॉलोनीवासियों ने भाग लिया। तत्पष्चात केलाश नगर में गणपतिजी की भव्य शोभायात्रा "गणपति बप्पा मोरिया" के उद्घोषों, गुलाल, अबीर एवं पुष्पवर्षा के साथ निकाली गयी। शोभायात्रा के मार्ग में कॉलोनीवासियों ने गणपतिजी की पूजा-अर्चना की तथा भक्तजनों ने नृत्याभिनय कर अपनी ख़ुशी प्रकट की। सांय वेला में शोभायात्रा के पश्चात आरती कर गणेशजी की प्रतिमा को श्रद्धा भाव से "अगले बरस तूं जल्दी आ" के उद्घोषों सहित विसर्जन किया गया। सान्ध्य वेला में प्रसादी स्वरूप स्नेहभोज का आयोजन रखा गया। उक्त धार्मिक व आध्यात्मिक आयोजन में जे.के.सीमेन्ट वर्क्स के वरिष्ठ अधिकारीगण सर्वश्री मनीष तोषनीवाल, राजेश सोनी, प्रभाकर मिश्रा, यतेन्द्र शर्मा, रावेन्द्र गर्ग, आशुतोष श्रीवास्तव सहित बडी संख्या में जे.के. परिवार के सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

गणेषोत्सव का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह रात्रि को मंगल मण्डप में हुआ, जिसमें अतिथियों द्वारा गणेशोत्सव के दौरान सम्पन्न विविध कार्यक्रमों के प्रतिभागियों व सहयोगियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्द्धन किया गया। ऑफिसर्स क्लब के अध्यक्ष यतेन्द्र शर्मा एवं क्लब सचिव दुष्यंत सिंह ने इन ग्यारह दिवसीय आयोजन में सम्मिलित होने वाले सभी प्रतिभागियों, बाल कलाकारों, पत्रकारगणों व प्रशासन को धन्यवाद् ज्ञापित करते हुये सभी पर गणपति जी की कृपा की कामना की।

जे.के.सीमेन्ट वर्क्स मांगरोल स्थित सुषीला नगर में भी टेक्नीकल हेड व ऑफिसर्स क्लब अध्यक्ष मुरली मनोहर लढ्ढा के मार्गदर्शन एवं मांगरोल ऑफिसर्स क्लब सचिव विशाल लढ्ढा की अगुवाई में गणेषोत्सव मनाया गया। अनन्त चतुर्दशी पर्व की दोपहर वेला में पण्डितगणों के सान्निध्य में परम्परानुसार गणपतिजी की पूजा अर्चना, यज्ञ-पूर्णाहुति एवं महाआरती की गयी तथा गणेशजी की प्रतिमा को शोभायात्रा पूर्वक श्रद्धा भाव से विसर्जित किया गया। गणेषोत्सव के दौरान सम्पन्न सभी आयोजनो में कालोनी वासियों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर महोत्सव की सानन्द सम्पन्नता में भागीदारी निभायी।

जयकारों से गुंजायमान होकर रथ पर बाबा श्याम

अलवर @ जागरूक जनता। खाटू वाले श्याम बाबा झोली भर दे,तेरा किसने किया श्रंगार साँवरे, दिवाना खाटू का आदि भजनों पर झूमते गाते श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। अवसर था श्री श्याम नवयुवक मंडल द्वारा विवेकांनद चौक से निकाली भव्य खाटू श्याम बाबा की भव्य निशान एवं रथ यात्रा का। श्री श्याम नवयुवक मण्डल द्वारा तीन दिवसीय महोत्सव के तहत विवेकांनद चौक से पूजा अर्चना के साथ भव्य निशान एवं रथ यात्रा प्रारंभ हुई जिसमें भक्तों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। यात्रा विवेकांनद चौक से पूजा अर्चना के साथ प्रारंभ की गई। इस दौरान बाबा खाटू श्याम की झलक पाने के लिए लोग शहर की प्रमुख सड़कों पर उतर आए। ढोल, बैंड, डीजे पर खाटू श्याम बाबा के भजन गूंज रहे थे, जिन पर श्रद्धालु झूमते गाते नजर आए। भव्य निशान एवं रथ यात्रा विवेकांनद चौक से प्रारंभ होकर त्रिपोलिया बाजार, घंटाघर, पंसारी बाजार, मन्नी का बड़, बस स्टैंड आदि प्रमुख मार्गों से होते हुए कीर्तन स्थल पर पहुंची, जहां विशेष पूजा अर्चना के साथ यात्रा का समापन किया गया। रथ यात्रा में खाटू श्याम का कोलकाता के फूलों से श्रंगार किया गया जो काफी आकर्षक था। ओर ड्रोन द्वारा पूरे मार्ग पर पुष्प वर्षा की गई ये लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा. वहीं यात्रा के दौरान बाबा के सैंकड़ों भक्त और जनप्रतिनिधियों ने रथ यात्रा का स्वागत करते हुए प्रसाद का वितरण किया।

अगर डूंगरी बांध बना तो क्या हर्जाना दे पाएगी सरकार?

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सवाई माधोपुर @ हिमांशु मीणा। सवाई माधोपुर एवं करौली जिले की सीमा पर बनने वाले डूंगरी बंद को लेकर कुछ बिंदु है उनके उत्तर सरकार को देना ही चाहिए। जैसे एक परिवार से संबंधित धन संपदा, चल - अचल संपत्ति, प्राकृतिक संपदा, चारागाह भूमि, मंदिर एवं मंदिर माफ़ी जमीन, जड़ी बूटी औषधियां, जंगली जानवरों की आवास से जुडी प्रकृतिजन्य स्थिति। डूंगरी बांध बनने से वनस्पति जिनमें हजारों लाखों पेड़ पौधे एवं जीव जंतुओं के प्राण संकट में पड़ जाएंगे। उपरोक्त बिंदुओं पर विचार करते हुए क्या सरकार इन संपदा, जीव, देवालय की क्षतिपूर्ति कर पाएगी? विचार करना होगा कि एक परिवार के राशन कार्ड में औसतन 5-6 सदस्य होते ही हैं। उनके पास 5 से 8 बीघा तक जमीन होती है जिसकी कीमत लगभग 25- 30 लाख रुपया कम से कम आंकी जाती है। एक परिवार में कम से कम चार-पांच भैंस होती है जिनकी कीमत 5 लाख आँकी जाती है। कुआं ट्यूबवेल जिसकी कीमत 2 लाख रुपए, दो-तीन बकरियां भी हर परिवार में होती ही है जिनकी कीमत लगभग 50 हजार रुपए, दो गाय जिनकी कीमत एक लाख, पक्का मकान जिसकी कीमत 20-30 लाख रुपए कम से कम होती है। वहीं अमरूदों के पेड़ भी 300 से लेकर 500 तक खेत में उगाए जाते हैं, जिनकी कीमत लगभग 180 लाख रुपए, क्षेत्र में 76 देवी देवताओं के मंदिर है जिनकी कीमत लगभग 10 लाख प्रति मंदिर के हिसाब से 760 लाख रुपए होती है। इस प्रकार आकलन के हिसाब से प्रति व्यक्ति आकलन के अनुसार 4 करोड़ के लगभग हर्जाना आता है। वहीं दूसरी ओर भावनात्मक लगाव भी एक बिंदु है। जिनमें पड़ोसी व बचपन की यादें शामिल हैं, जिन्हें दे पाएगी सरकार? कहते हैं कपड़े बदले जा सकते हैं मगर पड़ोसी नहीं। क्या सरकार से अपेक्षा की जा सकती है कि वह हर्जाने की उपरोक्त राशि दे पाएगी कदापि नहीं। अगर डुंगरी बांध बना तो इस बांध की गहराइयों में प्रभावित आदमी की जिंदगी ही डूबी जा रही है अतः डूंगरी बांध के निर्माण पर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए।

बोराज तालाब की पाल टूटने से कॉलोनियां जलमग्न

जलभराव के बाद प्रभावित क्षेत्र में पैदल चल कर पीड़ितो के पास पहुंची उपमुख्यमंत्री

घर-घर जाकर जाने जलभराव क्षेत्र के हाल, जन जन की सुनी पीड़ा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अजमेर। अजमेर के बोराज तालाब की पाल टूटने से जलभराव के बाद जिले की प्रभारी मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सोमवार को स्वयं पीड़ितों के बीच पहुंची। वे करीब एक किलोमीटर तक पैदल चलकर जलभराव के बाद प्रभावित क्षेत्रा, कॉलोनी, पाल, खेत व आसपास के इलाके में पहुंची। उन्होंने पीड़ित परिवारों से बात की और जल्द मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने अनेक घरों को स्वयं अन्दर जाकर देखा। नुकसान पीड़ितों को क्षति की भरपाई शीघ्र करने को आश्वस्त कर ढांढस बंधाया। क्षेत्रा में सर्वे के अनुसार परिवारों को मुआवजा दिलाया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने तालाब की पाल टूटने से जलभराव के पश्चात स्वास्तिक नगर में हुई क्षति का जिला कलक्टर लोकबंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा एवं एडीए व नगर निगम के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को पूरी सतर्कता के साथ राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोराज तालाब की पाल टूटने से स्वास्तिक नगर सहित आसपास की कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति बनी थी। इसके चलते भवनों एवं संपत्तियों को हुए नुकसान का सर्वे कराया गया है। प्रशासन द्वारा गुरूवार रात्रि से ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। जलभराव वाले क्षेत्रों से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। उनके लिए भोजन, पानी, दवा एवं ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों को हर संभव सहयोग प्रदान करने को निर्देशित किया है। प्रभावित व्यक्तियों के नुकसान का सर्वे कर मुआवजा एवं नियमानुसार क्षतिपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा तालाब के पास जल बहाव और जलभराव के पश्चात क्षेत्र से निवासियों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी राजकीय विद्यालय में बनाए आश्रय स्थल पर भेजा गया था। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित क्षेत्रा का विस्तृत सर्वे अनुसार त्वरित क्षति पूर्ति की जाए। जल निकासी के पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित किए जाए। साथ ही तालाब की पाल के पुनर्निर्माण और भविष्य में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए पुख्ता जल निकासी व्यवस्था भी की जाए।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा नेत्रदान पखवाड़े में काव्य गोष्ठी आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। 40वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अंतर्गत नेत्रदान जागरूकता हेतु 25 अगस्त से 8 सितंबर 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा प्रथम बार नेत्रदान पखवाड़े का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में 5 सितंबर को नेत्रदान विषय पर ऑन-लाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन की सदस्य रीता लोधा, चाकुलिया (झारखंड) द्वारा मंच संचालन प्रेमलता गोयल, अंबिकापुर (छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष) द्वारा दीप प्रज्वलन पुनम जयपुरिया यवतमाल (महाराष्ट्र) द्वारा गणेश वंदना हेमा जालान, मुंगेर (झारखंड) द्वारा सरस्वती वंदना, कमलेश गर्ग, बाड़ी धौलपुर (राजस्थान) द्वारा सरस्वती वंदना तथा मधु डूमरेवाल द्वारा टेक्निकल हेड का कार्य संभाला गया। सुशीला फरमानिया अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा ने समस्त अतिथियों का अभिनन्दन करते हुए स्वागत उद्बोधन दिया। संस्था के संस्थापक अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल, आसनसोल (पश्चिम बंगाल) संस्थापक सचिव प्रदीप सराफ, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) संस्थापक कोषाध्यक्ष गणेश प्रसाद भरतिया, रानीगंज (पश्चिम बंगाल) एवं अग्र कार्य योजना प्रमुख जगदीश प्रसाद अग्रवाल, बिल्हा (छत्तीसगढ़) ने नेत्रदान के प्रति अपने विचार रखे एवं सभी ने नेत्रदान जागरूकता हेतु कार्य करने की अपील की। कमलेश गर्ग द्वारा लिखित एवं सुशीला फरमानिया द्वारा तैयार करवाए गए नेत्रदान गीत का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

इस नेत्रदान काव्य गोष्ठी में 11 (ग्यारह) प्रदेशों से उपस्थित बहनों ने स्वरचित कविताएं प्रस्तुत की। इनमें मधु रूंगटा 'भव्या', मुंगेर (बिहार), ललिता अग्रवाल 'आशना', सम्बलपुर (ओडिशा), निलम अग्रवाल 'दीक्षिता', भुवनेश्वर (ओडिशा), हेमा अग्रवाल 'कनक', मुंगेर (बिहार), कमलेश गर्ग आर्या 'नलिन', बाड़ी (राजस्थान), दर्शना अग्रवाल, आताबिरा (ओडिशा), मधु झुनझुनवाला 'अमृता', जयपुर (राजस्थान), अनिता अग्रवाल 'नमिता', घाटशिला (झारखण्ड), पिंकी बजाज पारुल, सरुपथार (असम प्रदेश), उषा केडिया, चेन्नई (तमिलनाडु), बिमला गर्ग, बाड़ी (राजस्थान), ऊषा मित्तल, बाड़ी (राजस्थान), उषा टीबड़ेवाल, चेन्नई (तमिलनाडु), अपर्णा पोद्दार 'शैलजा', सम्बलपुर (ओडिशा), ममता अग्रवाल 'स्नेह', हरसिद्धि (बिहार), नीलम अग्रवाल 'रत्न', बेंगलुरु (कर्नाटक), विमलेश बंसल आर्या 'पुनीता', दिल्ली, निशा प्रकाश 'दिव्या', पूर्णिया (बिहार), अनामिका अग्रवाल 'मुस्कान', खरसिया (छत्तीसगढ़), सुषमा अग्रवाल, नागपुर (महाराष्ट्र) शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा नेत्रदान पखवाड़ा मनाना, नेत्रदान पर गीत, नेत्रदान पर काव्य गोष्ठी, जैसे अनूठे कार्य के लिए मुख्य अतिथि आदरणीय व्यंजना आनंद 'मिथ्या', बेतिया (बिहार) विशिष्ट अतिथि शोभा अग्रवाल जी, पटना (बिहार) किशोर जैन 'किसलय' जी लंदन निवासी (यूनाइटेड किंगडम) तथा सभा में उपस्थित

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

हम जी भी रहे हैं, हंस भी रहे हैं, लेकिन क्या सच में सब ठीक है...

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सृष्टि जीवों से भरी है। हर वह चीज जो सजीव है और उसी में जीव है। जीव से मेरा तात्पर्य जीवन से है। जीवन है तो इमोशंस भी है, दुःख-सुख, हसना-रूठना, मिलना-जुलना, घूमना, सोचना आदि-आदि सभी क्रियायें इसके अभिन्न अंग है। कभी-कभी ऐसा होता है कि हम सब जी रहे हैं। हंस रहे हैं, काम कर रहे हैं, लोगों से मिल रहे हैं। सोशल मीडिया पर तस्वीरें डाल रहे हैं, मीटिंग्स में भाग ले रहे हैं, घर चला रहे हैं पर क्या भीतर से सच में ठीक हैं? बहुत कुछ है जो हम भीतर छुपा कर रखते हैं, ऐसा जो हमने कभी किसी से कहा ही नहीं। शायद इस डर से कि लोग समझेंगे नहीं। या इस संकोच से कि अगर हम बोलेंगे तो लोग हमें कमजोर समझ लेंगे। या शायद इसलिए कि अब हमें खुद को भी वह दुःख याद नहीं। बचपन से हमें सिखाया गया कि रोना अच्छा नहीं। "लड़के रोते नहीं", "मजबूत लोग शिकायत नहीं करते", "सब ठीक हो जाएगा" - ये वाक्य इतने बार सुने कि अब अपने ही दर्द को महसूस करना हमें गलत लगने लगा है। और जब महसूस ही नहीं करते, तो बांटना भी नहीं आता। लेकिन यह दुःख, जो हम बोल नहीं पाते, वह समाप्त नहीं होता- वह भीतर रहकर गूंजता है। एक मौन, जो शब्दों से नहीं, पर हर सांस में सुनाई देता है। यह मौन धीरे-धीरे हमें थका देता है। कभी रिश्तों में चुप्पी बनकर आता है, कभी क्रोध बनकर फूट पड़ता है और कभी थकान बनकर पूरे शरीर में फैल जाता है।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर कोई हिस्सा रो रहा होता है। और यह रोना तब सबसे खतरनाक होता है जब हम खुद से भी छिपाने लगते हैं। हम कामयाबी की कहानियां सुनाते हैं, पर दिल की हार किसी को नहीं बताते। लोग कहते हैं- "कितना सफल है", पर कोई नहीं जानता कि वह व्यक्ति रात को नींद की दवा लेकर सोता है। और यह सब इसलिए क्योंकि हम अपना दुःख नहीं बांटते। कभी-कभी यह भी सच होता है कि हमारे पास कोई होता ही नहीं जिसे हम सच में अपना कह सकें। कोई ऐसा जो सिर्फ सुने, बीच में टोके नहीं, सलाह न दे, बस थाम ले। पर क्या इसका यह मतलब है कि हम टूटते रहें और किसी को बताएं भी नहीं?

ऐसे में हमें खुद अपने लिए वह साथी बनना होगा। खुद को वह स्थान देना होगा जहां हम खुद से ही बोल सकें। दिन में कुछ समय निकालकर खुद से पूछें- "मैं कैसा महसूस कर रहा हूं?", "क्या कोई बात है जो मुझे परेशान कर रही है?" और अगर उत्तर में दुःख मिले- तो उसे दबाएं नहीं। उसे डायरी में लिखें, आंखों में भर लें या आईने में देखकर कहें- "मैं जानता हूं, मैं थका हुआ हूं, पर मैं तुम्हारे साथ हूं।"

जब हम अपना दुःख पहचानते हैं, स्वीकार करते हैं तो उसका असर बदल जाता है। वह बोझ नहीं रहता, वह अनुभव बन जाता है। और जब हम किसी को अपना दर्द बाँटते हैं- शब्दों में या मौन में, तो हम भीतर से थोड़ा हल्का महसूस करते हैं। दुःख बांटने का मतलब यह नहीं कि हम दूसरों पर निर्भर हैं। इसका अर्थ है कि हम इंसान हैं और इंसान का सबसे बड़ा गुण यही है कि वह महसूस करता है। अपने लिए और दूसरों के लिए भी।अगर हम अपने आसपास किसी को चुप देखें, तो बस इतना कहें - "मैं हूं, अगर तुम बोलना चाहो तो" कई बार एक वाक्य, एक उपस्थिति, एक हाथ, एक सन्नाटा- किसी टूटते हुए मन को थाम सकता है। हमारा दुःख तब तक बढ़ता है जब तक वह अकेला रहता है। और जैसे ही वह साझा होता है, वह दवा बनने लगता है। शब्द बांटिए, मौन बांटिए, आंसू बांटिए, क्योंकि जब हम बांटते हैं, तो हम जुड़ते हैं और जब हम जुड़ते हैं हम ठीक होने लगते हैं।

(ये विचार लेखक के अपने हैं)

जीएसटी कटौती के बाद अब हर कार और बाइक डीलरशिप पर पीएम मोदी की फोटो वाले पोस्टर लगाने के निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारी उद्योग मंत्रालय (MHI) ने देश की सभी कार और बाइक कंपनियों से कहा है कि वे अपनी डीलरशिप पर पोस्टर लगाएं, जिसमें पुरानी कीमत और जीएसटी कटौती के बाद नई कीमत दिखाई गई हो। इन पोस्टरों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर भी शामिल होगी। सरकारी अधिकारी और उद्योग के अधिकारियों ने एक समाचार पत्र से इस मामले की पुष्टि की। मंत्रालय ने यह निर्देश भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माता सोसाइटी (SIAM) के जरिए कंपनियों को भेजा है। अब कंपनियों के अधिकारी पोस्टर डिजाइन करवा रहे हैं और मंत्रालय से मंजूरी लेने के बाद ही उन्हें डीलरशिप पर लगाएंगे। हालांकि यह अभी तय नहीं है कि पोस्टर की छपाई और वितरण की लागत कंपनियां उठाएंगी या डीलरशिप। अधिकारियों का कहना है कि अलग-अलग स्थानों के लिए स्थानीय भाषा में पोस्टर तैयार किए जाएंगे, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या हर भाषा के पोस्टर की अलग मंजूरी चाहिए। एक उद्योग सूत्र के मुताबिक, इस पूरे काम पर ऑटोमोबाइल कंपनियां कम से कम 20-30 करोड़ रुपए खर्च करेंगी। ये पोस्टर इस हफ्ते के अंत तक डीलरशिप पर लगाए जाने की उम्मीद है। लक्जरी कार कंपनियों को इस नियम से बाहर रखा गया है। बड़ी कार कंपनियां जैसे Maruti Suzuki, Hyundai, Tata Motors, Mahindra & Mahindra, Toyota और Kia पहले ही कह चुकी हैं कि वे GST कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देंगे, जिससे सभी कारों की कीमतें कम हो गई हैं। GST काउंसिल ने हाल ही में छोटी कारों पर कर को 29-31% से घटाकर 18% कर दिया है। बड़ी कारों पर कर दर 50% से घटाकर 40% कर दी गई है और कंपेन्सेशन सेस हटा दिया गया है।

हिमाचल के लिए 1,500 करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान, मृतकों के परिजनों को ₹2 लाख की मदद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बारिश से बेहाल हिमाचल प्रदेश के लिए 1,500 करोड़ रुपये की तत्काल राहत की मंगलवार को घोषणा की। राज्य में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति का जायजा लेने के बाद मोदी ने मृतकों के परिजनों के लिए दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की सहायता राशि की भी घोषणा की। उन्होंने सबसे पहले प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया और फिर राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा तथा क्षति का आकलन करने के लिए कांगड़ा में एक बैठक की।

हर संभव मदद का दिया आश्वासन

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, भाजपा नेताओं, प्रभावित परिवारों और कांगड़ा में बचाव सेवाओं में लगे लोगों के साथ बैठक में मोदी ने प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बहाल करने और पुनर्निर्माण के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वित्तीय सहायता के तौर पर 1,500 करोड़ रुपये की राशि पीएम किसान सम्मान निधि और राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष की दूसरी किस्त की रूप में जारी की जाएगी। वर्षा जल के संग्रहण और भंडारण के लिए जल संचयन को लेकर पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। इन प्रयासों से भूजल स्तर में सुधार होगा और बेहतर जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। केंद्र सरकार ने नुकसान का आकलन करने के लिए हिमाचल प्रदेश में अंतर-मंत्रालयी दल पहले ही भेज दिए हैं और उनकी विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे की सहायता पर विचार किया जाएगा।

आपदा से प्रभावित परिवारों से भी की मुलाकात

मोदी ने आपदा से प्रभावित परिवारों से भी मुलाकात की। उन्होंने अपने परिजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना और गहरा दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र इस कठिन समय में हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम करेगा और हर संभव सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन नियमों के तहत राज्य को अग्रिम भुगतान सहित सभी प्रकार की सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), सेना, राज्य प्रशासन और अन्य संगठनों के कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य के ज्ञापन और केंद्रीय टीम की रिपोर्ट के आधार पर आकलन की आगे समीक्षा करेगी। मोदी ने आश्वासन दिया कि केंद्र स्थिति से निपटने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

भारतीय सशस्त्र बलों का 65 सदस्यीय दल रूस के लिए रवाना

संयुक्त सैन्य अभ्यास 'जापाद 2025' में होगा शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारतीय सशस्त्र बलों का 65 सदस्यीय दल आज रूस के निझनी स्थित मुलिनो ट्रेनिंग ग्राउंड के लिए रवाना हुआ। यह दल बहुपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास 'जापाद 2025' में भाग लेगा, जो 10 से 16 सितंबर 2025 तक आयोजित होगा। इस दल में 57 सैनिक भारतीय थल सेना से, 7 वायु सेना से और 1 नौसेना से शामिल हैं। थल सेना का नेतृत्व कुमाऊं रेजिमेंट की एक बटालियन कर रही है, जिनके साथ अन्य कोर और सेवाओं के सैनिक भी मौजूद हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य सैन्य सहयोग को बढ़ाना, विभिन्न सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल बनाना और पारंपरिक युद्ध व आतंकवाद-रोधी अभियानों के लिए रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करना है। इस दौरान खुली और समतल जमीन पर संयुक्त कंपनी स्तर के अभियानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सैनिक संयुक्त योजना, सामरिक अभ्यास, विशेष हथियारों के कौशल और आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल में प्रशिक्षण लेंगे। 'जापाद 2025' भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें बहुराष्ट्रीय माहौल में संचालन क्षमता को निखारने और नए अनुभव साझा करने का मौका मिलेगा।

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में पंचकर्म चिकित्सा एवं महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित 6 दिवसीय सीएमई का समापन

पंचकर्म चिकित्सा और महिला स्वास्थ्य पर विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव-अनुसंधान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), मानद विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग एवं पंचकर्म विभाग की ओर से आयोजित छह दिवसीय सीएमई का समापन शनिवार, 6 सितंबर को हुआ। यह कार्यक्रम 1 सितंबर से 6 सितंबर तक आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने की। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन आयुष मंत्रालय एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के सहयोग से किया गया। इस सीएमई में देशभर से आयुर्वेद विशेषज्ञ, शिक्षक, चिकित्सक एवं शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में पंचकर्म चिकित्सा और महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े विविध विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने अनुभव और अनुसंधान प्रस्तुत किए। पंचकर्म विभाग की ओर से आयोजित सीएमई में कई रोगों में पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से आमजन के बेहतर स्वास्थ्य के विषय में चर्चा की गई।

पंचकर्म विभागाध्यक्ष प्रो. गोपेश मंगल ने बताया राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के पंचकर्म विभाग की ओर से आयोजित इस 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ने चिकित्सकों को पंचकर्म प्रक्रियाओं की गहन समझ प्रदान की है। समापन कार्यऱ् म की अध्यक्षता प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार शर्मा ने की।

जिसमें पंचकर्म की परिभाषा, प्रासंगिकता तथा वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत बाह्य स्नेह, अभ्यंतर स्नेह, स्वेदन, वमन, विरेचन, बस्ती, नस्य तथा रक्तमोक्षण जैसी प्रमुख पंचकर्म प्रक्रियाओं पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत व्याख्यान, व्यवहारिक प्रदर्शन एवं समूह चर्चा आयोजित की गई। 6 दिवसीय CME में प्रो. यू.एस. निगम, डॉ. जितेन्द्र समल, डॉ. मयंक भटकोटी, डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, डॉ. सर्वेश कुमार सिंह, प्रो. जे.पी. सिंह, डॉ. ऋजु अग्रवाल, डॉ. अभिषेक भट्टाचार्य, प्रो. गोपेश मंगल, डॉ. अनिल भारद्वाज, डॉ. प्रवीन के. मडिकोंडा एवं प्रो. सुमन शर्मा जैसे पंचकर्म विशेषज्ञों ने अपने अनुभव और शोध साझा किए। प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की ओर से आयोजित सीएमई में महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित रोगों के आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से रोग निदान पर चर्चा की गई।

प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. भारती कुमारमंगलम ने बताया प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की ओर से आयोजित इस 6 दिवसीय सीएमई में AIIA (ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद, नई दिल्ली), ITRA (इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद), जामनगर, तथा BHU (काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के वरिष्ठ व्याख्याताओं ने गर्भिणी परिचर्या, प्रसव विज्ञान एवं स्त्री रोगो पर अपने व्याख्यान दिए। विशेषज्ञों ने आयुर्वेद की नवीनतम चिकित्सा विधियों, अनुसंधान की दिशा में हो रहे नवाचारों और शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की। साथ ही, विभिन्न राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और हरियाणा से आए प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और पारस्परिक संवाद के माध्यम से ज्ञानवर्धन किया। प्रतिभागियों को विभिन्न स्त्री रोगों की आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रबंधन, मॉक ड्रिल तथा हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम: तंबाकू मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों ने जाना तंबाकू व धूम्रपान के दुष्परिणाम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ (एनटीसीपी) एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में चित्तौड़गढ़ जिले के ब्लॉक राशमी, गंगरार, निंबाहेड़ा, कपासन, भूपालसागर, भदेसर, डूंगला, चित्तौड़गढ़, बड़ीसादड़ी, बेगू, रावतभाटा क्षेत्र में निजी एवं राजकीय विद्यालयों में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को तंबाकू व धूम्रपान से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी तथा तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों के विषय में स्लाइड प्रजेंटेशन से अवगत कराया जा रहा है जिले के विद्यालयों में सोसायटी द्वारा बैनर, पंपलेट वितरण एवं चस्पा कर शिक्षण परिसर में 100 गज की परिधि क्षेत्र में तंबाकू विक्रय एवं सेवन को कानूनी अपराध मानते हुए 200 रुपए के जुर्माने का प्रावधान हेतु बताया जा रहा है व विद्यालयों में तंबाकू मुक्त समितियां बनवाई जा रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ-साथ निबंध प्रतियोगिता एवं तंबाकू सेवन न करने की शपथ दिलाई जा रही है। सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा द्वारा बताया गया क्षेत्र में सोसाइटी के प्रतिनिधि बतौर गौरव मिश्रा, प्रेम प्रकाश एवम पुरूषोतम शर्मा उक्त कार्यक्रमों का संचालन कर रहे हैं विद्यार्थियों को पारितोषिक के रूप में प्रमाण पत्र आदि का वितरण किया गया। कार्यक्रम आयोजन के दौरान ही सोसाइटी प्रतिनिधियों द्वारा कोटप्पा अधिनियम 2003 के बारे में जानकारी दी गई।कार्यक्रम के आयोजन में बच्चो व शिक्षकों ने बढ़ चढ़कर कर हिस्सा लिया।

माधव विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का हुआ आदर सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय में होम्योपैथिक विभाग की ओर से शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षकों के अमूल्य योगदान को सम्मानित करने हेतु किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट डॉ राजीव माथुर व रजिस्ट्रार डॉ भावेश कुमावत के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई जिनमें नृत्य, कविता पाठ, एवं शिक्षकों पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरे सभागार में उत्साह का माहौल बना रहा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट शिक्षण, शोध कार्य और विद्यार्थियों के समग्र विकास में दिए गए योगदान के लिए स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों को मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और जीवन निर्माता बताया। प्रेसिडेंट डॉ राजीव माथुर अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान का संचार नहीं करते, बल्कि वे समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका योगदान शब्दों से परे है। रजिस्ट्रार डॉ भावेश कुमावत ने छात्रों को शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना बनाए रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के होम्योपैथिक विभाग की निदेशक डॉ भारती देसाई, प्रॉक्टर डॉ. आदेशपाल, अकादमिक अधिष्ठाता डॉ. महेंद्र सिंह परमार, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के निदेशक डॉ देवेंद्र मुजाल्दा, फार्मेसी विभाग के अधिष्ठाता डॉ. सुशील भार्गव, होम्योपैथिक विभाग के अधिष्ठाता विजय प्रताप सिंह, प्रवेश विभाग के निदेशक महेंद्र सिंह गुर्जर, आईटी के अभिषेक मीणा, छात्र विक्रम गोयल, वर्ली, शुभांशु, सना, धवल, श्वेता, गौरव, देवांशु, महक, वंशिका, साक्षी व वरुण सहित विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता एवं अध्यापकगण सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

माधव विश्वविद्यालय में विश्व फिजियोथेरेपी दिवस का आगाजः छह दिन तक होंगे जागरूकता कार्यक्रम

आबूरोड @ जागरूक जनता। माधव विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी संकाय में विश्व फिजियोथेरेपी दिवस 2025 का शुभारंभ हुआ। वैश्विक थीम "स्वस्थ वृद्धावस्थाः वृद्धों में कमजोरी और गिरने से बचाव" को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए गए। उद्घाटन समारोह में केक काटकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। विश्व फिजियोथैरेपी दिवस को लेकर छह दिन तक यहां कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों की गतिशीलता, स्वतंत्रता और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, समुदायिक कार्यशालाएँ, जागरूकता रैली, पोस्टर प्रदर्शनी और फिजियोथेरेपी तकनीकों का प्रदर्शन शामिल रहेगा। समापन दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय के चांसलर हिम्मतसिंह देवल ने कहा कि फिजियोथेरेपी केवल उपचार का साधन नहीं, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक वृद्धावस्था की कुंजी है। प्रेसिडेंट डॉ. राजीव माथुर ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज का अनुभव भंडार हैं और उनके लिए सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देना हम सबकी जिम्मेदारी है। रजिस्ट्रार डॉ भावेश कुमावत ने कहा कि माधव विश्वविद्यालय हमेशा समाज हितैषी पहल करता आया है व भविष्य में भी करता रहेगा।

विभागीय अधिकारी नियमित फील्ड में दौरा कर आमजन को राहत पहुचाएं-आक्या

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। बारीश के मौसम में आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो ऐसे में विभागीय अधिकारी नियमित फील्ड में दौरा कर राहत पहुचाने का कार्य करे। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या शनिवार को पंचायत समिति के सभागार में राज्य सरकार के निर्देश पर विधानसभा क्षेत्र के समस्त विभागो के अधिकारीयो की बैठक ले रहे थे।

उन्होने विभागीय अधिकारियो को बरसात के मौसम को देखते हुए आमजन को किसी प्रकारी की असुविधा न हो इस हेतु सभी विभाग अपने से संबंधित कार्य को आवश्यकता अनुसार तुरंत पूरा करे। उन्होने विद्युत विभाग के अधिकारियो से शहर व गांवो में बिजली आपूर्ति निर्बाध रूप से मिलती रहे यह सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा की ट्रांसफार्मर का अतिरिक्त स्टॉक रखा जाए जिससे आवश्यकता पड़ने पर तुरंत उपलब्ध कराया जा सके। उन्होने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियो को अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त हो चुकी सड़क व पुलिया की शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियो को दिये। विधायक आक्या ने बैठक के दौरान पंचायत समिति की समस्त ग्राम पंचायतो में विभिन्न मद में संचालित कार्यो को दो माह में पूर्ण कर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होने ग्राम पंचायत क्षेत्र में अवैध कब्जे नही होने देने संबंधी ग्राम विकास अधिकारीयो को निर्देश देते हुए नियमानुसार पट्टे जारी करने की बात कही। शिक्षा विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियो से मरम्मत योग्य व जर्जर हो चुके विद्यालयो व आंगनवाड़ी केंद्रो में बच्चो को न बिठाने व सावधानी बरतने के निर्देश देते हुए ऐसे विद्यालयो व आंगनवाड़ी केंद्रो की सूची अविलम्ब उच्चाधिकारियो को प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होने डीएमएफटी फण्ड से राउमावि में दो दो कक्षा कक्ष निर्माण की जानकारी देते हुए विद्यालयों में नए कक्षा कक्ष के प्रस्ताव, मरम्मत के प्रस्ताव भिजवाने के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारीयो को निर्देश दिये।

विधायक आक्या ने विजयपुर, बड़ोदिया, रोलाहेड़ा में पेयजल सप्लाई तीन-तीन दिवस में मात्र आधे घण्टा सप्लाई होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सहायक अभियंता को पेयजल सप्लाई निर्बाध रूप से कराने के निर्देश दिये। साथ ही बरसात मौसम के पश्चात समस्त खराब हो चुके हैंडपंप की मरम्मत कराने के निर्देश दिये। उन्होंने ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से उपकेंद्रो, प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रिक्त पदो की जानकारी लेते हुए क्षतिग्रस्त भवनो की सूची उच्चाधिकारियो को भेजने के निर्देश दिये। उन्होने बस्सी अस्पताल के नवीन भवन निर्माण एवं प्रस्तावित सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट हेतु उच्चाधिकारियों को निर्देश दिये।

जन-जागरूकता ही बाल विवाह रोकने का सबसे बड़ा साधन - जिला कलक्टर आलोक रंजन

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए सबसे अहम हथियार जन-जागरूकता है। इसके लिए प्रतिषेध अधिकारी गांव-गांव जाकर लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणाम और कानूनी प्रावधान समझाएं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और संगठनों से बाल विवाह मुक्त राजस्थान की मुहिम में सक्रिय भागीदारी की अपील की। जिला कलक्टर मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित कार्यशाला-समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी विवाह संबंधी जानकारी जुटाएं और बाल विवाह की आशंका होते ही तुरंत रोकथाम करें। अति. जिला कलक्टर (प्रशा.) प्रभा गौतम ने बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पोर्टल पर अधिकारियों की कार्यप्रगति की मॉनिटरिंग होगी। सहा. निदेशक बाल अधिकारिता ओमप्रकाश तोषनीवाल ने अधिनियम प्रावधानों के बारे में बताया। बैठक में महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, सामाजिक न्याय चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस

26 शिक्षकों को मिला टीचिंग एक्सीलेंस अवार्ड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

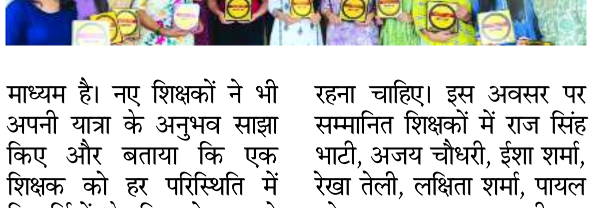

भीलवाड़ा। शिक्षक दिवस 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित द ग्लोरी अवार्ड्स समारोह में 26 शिक्षकों को टीचिंग एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सीख सोसाइटी और टिल्स एजुकेशन द्वारा संयुक्त रूप से किए गए आयोजन में सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत समूह चर्चा से हुई। वरिष्ठ शिक्षकों ने अपने लंबे अनुभव साझा करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पेशा नहीं बल्कि जीवन मूल्यों को संवारने का माध्यम है। नए शिक्षकों ने भी अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए और बताया कि एक शिक्षक को हर परिस्थिति में विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बने रहना चाहिए। इस अवसर पर सम्मानित शिक्षकों में राज सिंह भाटी, अजय चौधरी, ईशा शर्मा, रेखा तेली, लक्षिता शर्मा, पायल लोढ़ा, सुमन भगत, मीनाज़ खान, अनुकृति माथुर, यशु कुशवाह, मुस्कान जैन, मोहम्मद साहिल रंगरेज, मोनिका शुक्ला, वंदना लूधानी, अभिषेक ठठेरा, वंदना डाड, चंदा तेली, रिया आहुजा, गोपाल प्रजापत, सरोज वैष्णव, मुरलीधर तेली, दिव्यांशी शुक्ला, प्रवीन सिंह, पलक गोखरू, नीलकमल खराड़ी और अक्षय जोशी शामिल रहे। अंत में सह-निदेशक अभिलाष मोदी ने सभी शिक्षकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षकों को आत्ममंथन का अवसर प्रदान करते हैं और शिक्षा के स्तर को ऊँचाई तक ले जाने में सहायक साबित होते हैं।

विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग, जयपुर और जयपुष्य एस्ट्रोनोमी सोसाइटी, जयपुर के सहयोग से जयपुर के क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र एवं विज्ञान उद्यान में आम-जन के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित

जयपुराइट्स ने उत्सुकता से देखा चन्द्रग्रहण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। 7-8 सितंबर, 2025 के मध्य रात्रि आकाश में जयपुर के लोगों ने इस खगोलीय घटना को जादुई शाम के रूप में देखा। रात 08:58 बजे से चंद्रमा पर पृथ्वी की उपछाया गिरने लगी और धीरे-धीरे चन्द्रमा ग्रहण की और आगे बढ़ने लगा। लगभग 1 घंटे के अंतराल के बाद 09:57 पर पृथ्वी की छाया में चन्द्रमा ने प्रवेश किया इसके साथ ही ग्रहण काल प्रारंभ हो गया। रात 11 बजे जब पूर्ण चन्द्रमा पर पृथ्वी की परछाई आ गयी इससे पहले चन्द्रमा एक अंगूठी की तरह दिखाई देने लगा। जैसे ही चन्द्रमा पृथ्वी की छाया से घिरा और यह पूरी तरह से चमकीले लाल रक्त चंद्रमा में बदल गया। चन्द्रमा के लाल होने का कारण जयपुष्य एस्ट्रोनोमी सोसाइटी जयपुर के एस्ट्रोनॉमर राहुल शर्मा ने बताया की जब सूर्य का प्रकाश पृथ्वी के वायुमंडल से होकर अपवर्तित होकर चन्द्रमा पर गिरना बताया। रात 11 बजे से अगले 82 मिनट तक शहर इस अलौकिक चमक में नहाया रहा, नक्षत्र और शनि ग्रह रात के आकाश में चंद्रमा के पास ही उसके मित्र की तरह चमकने लगें। यह पूर्ण चंद्रग्रहण सम्पूर्ण भारत में दिखाई दिया। पूर्ण चंद्रग्रहण की अवधि 1 घंटा और 22 मिनट, जबकि पूरा कार्यक्रम 5 घंटे और 27 मिनट तक चला रहा। वर्ष 2025 का दूसरा और आखिरी चंद्र ग्रहण 7 सितंबर की रात को लगा और इसकी शुद्धि 8 सितंबर रात 02:25 पर पूरी हुई। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण रहा, जिसे ज्योतिषीय दृष्टि से भी बेहद खास माना गया है। खासकर जब कोई भी ग्रहण भारत में दिखा देता है तो इससे इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। प्राचीन काल से ही चंद्र ग्रहण को शुभ-अशुभ परिणामो से जोड़ा जाता रहा है। इसलिए लोग इस दौरान विशेष उपाय करते हुए दानपुन्य करते रहे। चन्द्र ग्रहण का असर मानसिक ङ्क शांति, आर्थिक स्थिति और रिश्तो पर भी देखने को मिला।

यह दुर्लभ खगोलीय दृश्य को जयपुर की जनता ने और खगोल - शास्त्र में रूचि रखने वालों ने खुली आँखों से देखा यह पूरी तरह सुरक्षित रहा। इसके लिए किसी प्रकार के फिल्टर या सुरक्षात्मक चश्मे की आवश्यकता नहीं रही। इस घटना को और करीब से देखने के लिए कुछ लोगो ने दूरबीन और टेलिस्कोप की सहायता ली। उनके लिए दूरबीन या टेलीस्कोप से चंद्रमा के जटिल विवरणों को उजागर और लाल रंग के रंगों को और भी आकर्षक बना दिया। इस शाम को और भी यादगार बनाने के लिए विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग, जयपुर और जयपुष्य एस्ट्रोनोमी सोसाइटी, जयपुर के सहयोग से जयपुर के क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र एवं विज्ञान उद्यान में आम-जन के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विषय-विशेषज्ञयों प्रीती वैष्णव और गोविन्द दाधीच एवं एस्ट्रोनॉमर राहुल शर्मा द्वारा एक "एस्ट्रोटॉक" गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में पीपीटी और मोडल्स की सहायता से ग्रहण से जुडी हुई जटिलताओ पर वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्रदान की गयी और साधारण तरीके से समझाया गया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य ग्रहण से जुडी हुई भ्रांतियों से आमजन को जागरूक करने का रहा।

एशिया कप में भारतीय रग्बी टीम में बाड़मेर की बेटी सुशीला का चयन गौरवान्वित करने वाला- रूमा देवी

रूमा देवी फाउंडेशन ने 50 हज़ार की छात्रवृत्ति देकर बढ़ाया हौसला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

रावतसर। बाड़मेर जिले के भूरटीया गांव की बेटी सुशीला कुमारी ने कमाल कर दिखाया है। 12 सितंबर से चीन में होने वाले एशिया कप अंडर-18 गर्ल्स रग्बी टूर्नामेंट में भारतीय टीम की खिलाड़ी के रूप में सुशीला देश का प्रतिनिधित्व करेगी। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सामाजिक कार्यकर्ता व राजीविका स्टेट ब्रांड एंबेसडर डॉ. रूमा देवी ने सुशीला को बधाई देते हुए 'रूमा देवी सुगणी देवी अक्षरा छात्रवृत्ति' के तहत 50 हज़ार रुपये की राशि भेंट कर सम्मानित किया।

रूमा देवी ने कहा, "जब हमारी बेटियाँ सपनों की उड़ान भरती हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम रोशन करती हैं, तो यह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बनती है। सुशीला जैसी प्रतिभाएँ दूसरी बेटियों को भी आगे बढ़ने का हौसला देती हैं।" उन्होंने सुशीला के माता-पिता, दादा-दादी और परिवार का भी विशेष आभार जताते हुए कहा कि उनका सहयोग और प्रोत्साहन समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण है। सुशीला के दादा रूपाराम ने कहा कि पहले हम लडकीयो को खेलने बाहर भेजने से डरते थे। लेकिन सुशीला खेल के लिए जिद पर अडी रही और आखिर उसने जिले व प्रदेश का नाम रोशन कर अब देश के लिए खेलने जा रही है। सुशीला के प्राथमिक कोच कौशलाराम विरट ने कहा कि सुशीला के परिवार में कोई सरकारी सेवा या व्यापार व्यवसाय में नहीं है। ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने में रूमा देवी फाउंडेशन की यह पहल युवा खिलाड़ियों के लिए संजीवनी साबित होगी। फाउंडेशन की कमला कुमारी ने बताया कि यह छात्रवृति सालाना है इसलिए आगे भी सुशीला इसका लाभ प्राप्त कर अपने हुनर को निखार सकती है। इस मौके पर रूपाराम खोथ, भावना कुमारी, सामाजिक कार्यकर्ता डालूराम जाखड़, ग्राम विकास अधिकारी हनुमान राम, वागाराम, जगदीश कुमार और कमला कुमारी उपस्थित रहे।

गांव की सड़क पर दौड़कर बदला भाग्य, अब हर कोई कर रहा तारीफ

रेत के धोरों से निकली, चीन तक पहुंची भुरटिया की सुशीला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

रावतसर। बाड़मेर जिले के छोटे से गाँव भुरटिया की बेटी सुशीला खोथ ने यह साबित कर दिया है कि सपनों को सच करने के लिए हिम्मत और जुनून ही काफी है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भुरटिया (GSSS Bhurtiya) की नियमित छात्रा सुशीला खोथ का चयन वर्तमान में भारत की अंडर-18 गर्ल्स रग्बी टीम में हुआ है। आने वाली 12 सितंबर को वह चीन में आयोजित होने वाले एशिया कप रग्बी टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

संघर्षों से भरी कहानी

सुशीला का सफर आसान नहीं रहा। वह एक किसान परिवार से है। उसके माता-बाली देवी और पिता गणेश कुमार खोथ हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। घर की आय का स्रोत केवल खेती और पशुपालन है। कई बार तो सुशीला के परिवार ने अपनी बकरियाँ बेचकर उसके लिए रग्बी की किट, यात्रा और प्रशिक्षण का खर्चा पूरा किया। यह सुनकर हर किसी की आँखें नम हो जाती हैं। लेकिन कठिन परिस्थितियाँ भी सुशीला के हौसले को कभी डिगा नहीं पाईं।

5 बार राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन

वर्ष 2023-24 और 2024-25 में SGFI नेशनल गेम्स में भाग लिया SGFI की ओर से खेलते हुए राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त किया और राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। खेलो इंडिया वीमेंस टूर्नामेंट 2024 में कांस्य पदक जीतकर टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनी। राष्ट्रीय ओपन रग्बी फुटबॉल प्रतियोगिता में अंडर-15 और अंडर-17 कैटेगरी में राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व। हाल ही में कोलकाता में इंडिया टीम कैंप और ट्रेनिंग में हिस्सा लिया। वहाँ से थाईलैंड मैत्री मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व कर शानदार प्रदर्शन किया और एशिया कप टीम में चयनित हुई।

सुशीला का सपना

सुशीला के सपने बड़े हैं- वह भारत के लिए एशियाई और विश्व स्तर पर गोल्ड मेडल जीतना चाहती है। पर कभी-कभी यह डर भी सताता है कि कहीं आर्थिक परिस्थितियाँ उसके सपनों के बीच दीवार न बन जाएँ। साथ ही उनका सपना है कि यदि सरकार भुरटिया में रग्बी फुटबॉल हेतु राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम का निर्माण करावे तो मैं मेरे जैसे ओर राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार कर सकती हूं।

गर्व की बात

आज गाँव भूरटिया ही नहीं, बल्कि पूरा बाड़मेर जिला और राजस्थान उसके साहस और लगन पर गर्व महसूस कर रहा है। सुशीला यह संदेश देती है कि प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती। अवसर और सहयोग मिलने पर गाँव की बेटियाँ भी देश और दुनिया का नाम रोशन कर सकती हैं। "जब घर में बकरी का बच्चा पैदा होता है, तो परिवार तय करता है कि उसे बेचकर मेरी ट्रेनिंग या रग्बी किट का इंतजाम करेंगे।"

बधाई का लगा तांता

इस संघर्ष के सफर में योगदान माता -पिता के साथ दादा जी रूपाराम खोथ, श्री कौशला राम विराट, सचिव बाड़मेर रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन, राणाराम विराट,मोहन लाल सारण, सवाई सैन गौड़ा, गिरीश कुमार थोरी, रवि चौधरी,फरसा राम सारण, शंकुतला चौधरी के साथ समस्त स्टाफ भुरटिया एवं ग्राम वासियों का रहा। प्रधानाचार्य महेश कुमार दवे ने इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

नेताओं ने दी बधाई

नारी शक्ति पुरस्कार विजेता डॉ रुमा देवी,भुरटिया सरपंच प्रतिनिधि उत्तमचंद खोथ , मूलाराम पुनिया पूर्व जिलाध्यक्ष वीडीओ संघ बाड़मेर, अमरसिंह गोदारा सीबीईओ आडेल व हनुमान प्रसाद गोदारा वीडीओ ने घर पर जाकर सुशीला के दादाजी रूपाराम को बधाई दी , इसके अलावा हरीश चौधरी विधायक बायतु , डा प्रियंका चौधरी विधायक बाड़मेर व महेंद्र चौधरी जिला प्रमुख बाड़मेर, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, वसुंधरा राजे सहित तमाम राष्ट्रीय नेताओं ने फोन पर बात कर व सोशल मीडिया पर बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की , ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की।

गोल्डन एरा शो के 12वें संस्करण में जमकर थिरके श्रोता

सिंगर समीर समेत अनेक कलाकारों ने गाए बॉलीवुड के सुपरहिट नगमे

जयपुर @ जागरूक जनता। शहर के मशहूर सिंगर्स ने हिन्दी फिल्मों के सुपरहिट गीतों को अपनी पुरकशिश आवाज और दिलकश अंदाज में पेशकर बिड़ला सभागार का कोना-कोना बॉलीवुड म्यूजिक की मेलॉडी से सराबोर कर दिया। हेल्दी स्माइल्स ग्रुप एवं यूनिक ड्रीम बिल्डर्स की ओर से सजे गोल्डन एरा शो के 12वें संस्करण की शुरुआत कलाकार मिताली वर्मा ने आ जाने जा गीत...की प्रस्तुति से की। इसके बाद कमल प्रकाश सक्सेना ने ए गुलबदन..., निकिता बंसल ने मेरे नसीब में... गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। दर्शकों के बीच से सुरीले सिंगर डॉ.समीर शर्मा सैम ने दिल लेना खेल है दिलदार का..., महबूबा महबूबा... एवं बचके रहना रे बाबा...जैसे गीतों की मेडले की धमाकेदार प्रस्तुति देकर श्रोताओं को खुद के संग खूब नचाया। उन्होंने सभी से हाथ मिलाया और अभिवादन किया। कार्यक्रम में सिंगर गीतिका चतुर्वेदी ने लताजी के सुंदर गीतों की मेडले सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. जितेंद्र सिंह मक्कर ने इक हंसी शाम को..., निकिता बंसल ने मेरे नसीब में तू है के नहीं..., ओ मेरे राजा... युगल गीत डॉ.समीर के साथ, ऋचा खोड़ा ने दम मारो दम..., इसके अतिरिक्त कुछ और युगल गीत जैसे क्या यही प्यार है..., जिसका मुझे था इंतजार... आदि की बेहतरीन प्रस्तुतियों ने श्रोताओं का दिल जीत लिया। शो का संचालन कबीर द्वारा किया गया एवं संजय माथुर द्वारा आर्केस्ट्रा का सफल संचालन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय राजस्थान के जज संजीव प्रकाश शर्मा, विशिष्ट अतिथि ओपी अग्रवाल, आयोजक डॉ. बलविंदर सिंह ठक्कर व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रवि जैन, यूनिक ड्रीम बिल्डर्स के अध्यक्ष अजीत सिंह ठक्कर, उस्ताद अहमद हुसैन और उस्ताद मोहम्मद हुसैन समेत शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। गौरतलब है कि इस संगीत संध्या के 11 अत्यंत सफल संस्करण पूर्व में आयोजित किए जा चुके हैं।

NIRF 2025 रैंकिंग में शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में राजस्थान केंद्रीय विवि को मिला 89वां स्थान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2025 में भारत के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। CURAJ ने विश्वविद्यालय श्रेणी में 89वाँ स्थान हासिल किया है, जो इसे उच्च शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में भारत के प्रमुख केंद्रों में स्थापित करता है। इस उपलब्धि के साथ, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय अब भारत के शीर्ष उच्च शिक्षा संस्थानों की विशिष्ट श्रेणी में शामिल हो गया है और यह नए विकास, अवसरों और आकांक्षाओं के अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने कहा कि "यह रैंकिंग प्रत्येक विद्यार्थी, शिक्षक, शोधकर्ता और कर्मचारी की सामूहिक मेहनत और समर्पण का परिणाम है। शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में स्थान बनाना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है – यह तो नियति का अद्भुत उपहार है। विश्वविद्यालय ने NIRF रैंकिंग के लिए आवश्यक कमियों को दूर करने के लिए संगठित और विचारशील प्रयास किए और सच्ची साधना व निष्ठा के परिणामस्वरूप हमें यह पहचान प्राप्त हुई है।

अर्बन बैंक स्टाफ कार्यशाला संपन्नः जयपुर में 10-11 सितंबर को होगा अर्बन बैंकों का राष्ट्रीय अधिवेशन

ग्राहकों की सुविधा सर्वोपरि-डॉ. सेठिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. आई.एम. सेठिया ने रविवार को केशव माधव सभागार में आयोजित स्टाफ कार्यशाला में कहा कि सहकारिता की भावना से स्थापित अर्बन बैंक में ग्राहकों की सुविधा को हमेशा प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बैंक की ऋण योजनाएं, लॉकर सुविधा, धन हस्तांतरण सेवा और रजत जयंती वर्ष में ब्याज दरों में की गई कमी जैसी जानकारियां ग्राहकों तक सही तरीके से पहुँचाई जानी चाहिए ताकि वे बैंक से आत्मीय रूप से जुड़ सकें। डॉ. सेठिया ने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे "नौकरी की मानसिकता" से बाहर निकलकर सहकारी कार्यकर्ता की मानसिकता के साथ काम करें, तभी बैंक और सहकारिता के प्रति आमजन का विश्वास और मजबूत होगा। कार्यशाला में प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बैंकिंग कार्यकुशलता पर टिप्स साझा किए। महाप्रबंधक दिनेश खंडेलवाल ने व्यवसाय वृद्धि के उपाय बताए, ऋण अधिकारी यशवंत बाफना ने त्वरित ऋण प्रस्ताव निस्तारण की तकनीक समझाई, तकनीकी अधिकारी राकेश पाराशर ने साइबर सुरक्षा पर मार्गदर्शन और प्रशासनिक प्रबंधक राजेश अवस्थी ने अनुशासन व प्रशासनिक सख्ती पर प्रकाश डाला। तीन सत्रों में आयोजित कार्यशाला में विभिन्न शाखाओं के कर्मचारियों ने बैंक को सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया।

जयपुर में होगा राष्ट्रीय अधिवेशन

डॉ. सेठिया ने बताया कि सहकार भारती के बैनर तले अर्बन बैंकों का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 10 व 11 सितंबर को जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। अधिवेशन का उद्घाटन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे जबकि समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े होंगे। कार्यक्र म में सहकारिता मंत्री गोतम दक, राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय पचपोर, रिजर्व बैंक एवं नाबार्ड के निदेशक सतीश मराठे और सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय जोशी सहित कई सहकार चिंतक भाग लेंगे।

जिला कलक्टर ने ली समीक्षा बैठक, लंबित प्रकरणों के निस्तारण के दिए निर्देश

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जिला परिषद सभागार में मंगलवार को जिला कलक्टर आलोक रंजन की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। बैठक में संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों, बजट घोषणाओं व फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 30 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए तथा औसत निस्तारण समय में सुधार लाया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु आवश्यक दवाइयां उपलब्ध रखने, सिंचाई विभाग को बांधों की स्थिति पर रिपोर्ट देने व पीडब्ल्यूडी को बरसात से टूटी सड़कों की तुरंत मरम्मत के निर्देश दिए।हालांकि समीक्षा बैठकें हर सप्ताह होती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर आमजन को राहत कब तक मिलेगी, यह अब भी बड़ा सवाल बना हुआ है।

नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए भ्रष्टाचार पर अंकुश जरूरी- पूर्व पार्षद

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। नगर परिषद में पिछले 5 वर्षों में हुए भ्रष्टाचार को लेकर पूर्व पार्षदों ने प्रशासक मल्होत्रा से मुलाकात कर अनियमितताओं पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने बताया कि घर-घर कचरा संग्रहण के लिए 42 गाड़ियां स्वीकृत हैं, लेकिन मात्र 20 ही लगाई जा रही हैं जबकि पूर्ण भुगतान हो रहा है। इसी तरह उद्यान रखरखाव में भी लाखों रुपए खर्च दिखाए गए, परंतु काम नहीं हुआ। पार्षदों ने दोषी ठेकेदार व भ्रष्ट कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

अतिवृष्टि से नुकसान पर राहत की मांग, पूर्व राज्यमंत्री जाड़ावत के नेतृत्व में सौंपा ज्ञापन

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जिले में अतिवृष्टि से किसानों की फसलें चौपट हो जाने तथा पशुओं के चारे तक के नष्ट होने पर शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। जाड़ावत ने बताया कि लगातार हुई भारी बारिश से खेतों में पानी भरा हुआ है, फसलें बर्बाद हो चुकी हैं और किसान मानसिक व आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। वहीं केलझर ग्राम पंचायत के फुसरिया गांव में मुख्य पुलिया क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों की आवाजाही भी प्रभावित है। जिला कलेक्टर ने शीघ्र गिरदावरी करवाने और प्रभावित किसानों को राहत दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम जाट, सरपंच संघ अध्यक्ष रविराज सिंह जाड़ावत, मण्डल अध्यक्ष मोहनसिंह भाटी सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिला कलक्टर 11 को सोमी की जगह अब पावली में करेंगे रात्रि चौपाल

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में राशमी उपखण्ड की ग्राम पंचायत सोमी में होने वाली रात्रि चौपाल अब पावली ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) प्रभा गौतम ने जानकारी दी कि यह रात्रि चौपाल 11 सितम्बर (गुरुवार) को आयोजित होगी।

एक क्षमता निर्माण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

आरएफबीडीपी के अंतर्गत कृषिवानिकी और आजीविका संवर्द्धन पर 90 किसानों को प्रशिक्षण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना (आरएफबीडीपी) के अंतर्गत पिपलेश्वर ग्रीन फेड फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, तुंगा, बस्सी, जयपुर में कृषिवानिकी (एग्रोफारेस्ट्री) एवं आजीविका संवर्द्धन पर मंगलवार को एक क्षमता निर्माण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में परियोजना क्षेत्र से जुड़े लगभग 90 किसानों ने सक्रिय भागीदारी की।

इस अवसर पर केतन कुमार, डीएफओ, जयपुर डिवीजनल मैनेजमेंट यूनिट (डीएमयू) ने कहा कि आर.एफ.बी.डी.पी. का मुख्य उद्देश्य वनों का संरक्षण करते हुए कृषिवानिकी के माध्यम से किसानों को आजीविका संवर्द्धन के नए अवसर उपलब्ध कराना है। कृषिवानिकी न केवल किसानों की आय बढ़ाने में मददगार सिद्ध होगी बल्कि यह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता भी विकसित करेगी। साथ ही बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण एवं वनीकरण (एफ्फोरेस्ट्रेशन) को प्रोत्साहन मिलेगा जिससे पर्यावरणीय संतुलन कायम रखने में मदद मिलेगी।" प्रशिक्षण के दौरान हेमन्त कुमार दीक्षित, आजीविका विशेषज्ञ, पीएमसी, आरएफबीडीपी ने परियोजना के उद्देश्यों की जानकारी दी और समझाया कि कृषिवानिकी अपनाकर किसान अतिरिक्त आय का स्रोत कैसे विकसित कर सकते हैं। ओम प्रकाश गुप्ता, कृषि अधिकारी, कृषि विभाग, राजस्थान सरकार, ने पौधारोपण तकनीक, रखरखाव एवं पौधों की वृद्धि संबंधी पहलुओं पर विस्तार से बताया। नमो नारायण मीणा, रेंजर, बस्सी रेंज ने आरएफबीडीपी की विभिन्न गतिविधियों और कृषिवानिकी के महत्व पर प्रकाश डाला।साथ ही, कमलेश सैनी, सीईओ एवं कैलाश चंद शर्मा, अध्यक्ष, एफपीओ ने किसानों को एफपीओ की भूमिका के बारे में बताया कि कैसे एफपीओ किसानों के लिए सामूहिक कार्यवाही, विपणन, प्रसंस्करण एवं जैविक खेती के उपयोग में सहायक है।

जयकारा-2025: निःशुल्क गरबा वर्कशॉप 15 सितम्बर से

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ महोत्सव समिति द्वारा आयोजित नवरात्रि डांडिया महोत्सव जयकारा-2025 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। महाराणा प्रताप सेतु मार्ग स्थित श्रीनाथ गार्डन में समिति संरक्षक श्रवणसिंह राव के संरक्षण तथा समिति अध्यक्ष अनन्त समदानी की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक में तय किया गया कि इस बार महोत्सव का आयोजन रजत जयंती वर्ष के रूप में बड़े पैमाने पर किया जाएगा। अध्यक्ष अनन्त समदानी और सचिव आशा पोखरना ने बताया कि पिछ्ले 24 वर्षों से लगातार हो रहे इस आयोजन को मेवाड़वासी बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षा करते हैं। ऐसे में सभी कार्यकर्ताओं को अनुशासन और भव्यता के साथ नई प्रतियोगिताओं और पारितोषिकों सहित आयोजन की तैयारी का आह्वान किया गया। कार्यक्रम संयोजक गोपाल भूतड़ा और आयोजन सचिव अनुराग द्विवेदी ने जानकारी दी कि इस वर्ष भी 15 से 21 सितम्बर तक 15 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं और महिलाओं के लिए निःशुल्क गुजराती गरबा वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। वर्कशॉप का संचालन श्रीनाथ गार्डन में किया जाएगा, जिसमें आशीष केल्वीन डांस स्टूडियो के प्रशिक्षित कोरियोग्राफर गरबा और डांडिया की बारीकियां सिखाएंगे। वर्कशॉप में भाग लेने के लिए इच्छुक प्रतिभागियों को संयोजक अंकित लढ्ढा (मो. 9783005544), अंजली गोस्वामी (9602815861) पर रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा।